आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं
- 12

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर
- 12

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत
- 13

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच
- 14

आज का मौसम

17.0° अधिकतम तापमान

08.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.09

सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 6, अंक 277, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

- वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा
- प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की है योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है।

वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गोमती नदी में वाटर मेट्रो संचालन की संभावनाओं, तकनीकी पहलुओं और आगे की कार्ययोजना पर मंथन किया गया।

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि परियोजना से संबंधित होने वाले व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
> -दयाशंकर सिंह, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन :निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3 .60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5° सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें। योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

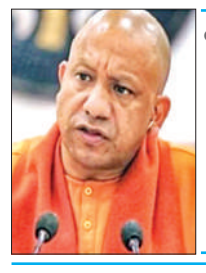

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

इंदौर दूषित पेयजल मामले में बड़ा एक्शन, दो अधिकारियों पर कार्रवाई

इंदौर, एजेंसी

- निगम आयुक्त को हटाने के निर्देश अपर आयुक्त और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री निलंबित

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटाने के निर्देश दिए। वहीं इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी, इस संबंध में कठोर निर्णय लिए जा रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। इसी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से 93 मरीज उपचार के बाद डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 32 मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

हाईकोर्ट में सरकार बोली- यह प्रकोप लोक स्वास्थ्य आपातकाल

इंदौर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की स्थिति रिपोर्ट में कहा गया कि डायरिया के प्रकोप को लोक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेते हुए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के निर्देश पर यह रिपोर्ट पेश की। अदालत पेयजल त्रासदी को लेकर इंदौर उच्च न्यायालय अभिभाषक (वकील) संघ के अध्यक्ष रितेश ईनाणी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर छह जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का निधन

बरेली। फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार भाजपा के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई तो तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने वेंटीलेटर पर रखकर उन्हें सीपीआर दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60 वां जन्मदिन मनाया था। सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। जिसमें फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे तभी उन्हें हार्टअटैक पड़ गया।

- कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान आया हार्टअटैक बरेली के फरीदपुर से थे विधायक

1500 करोड़ के जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है। बाद में ईडी की शिकायत के आधार पर गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने भी पटेल, उनके निजी सहायक जयराजसिंह झाला, क्लर्क मयूरसिंह गोहिल और उप मामलतदार मोरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। टीम ने सुरेंद्रनगर जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात मोरी के आवास पर 23 दिसंबर को छापेमारी के दौरान 67.5 लाख नकदी बरामद होने के बाद रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में भूमिका के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने की कार्रवाई

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। उन्होंने कहा, यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जाने को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया।

अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क रहना चाहिए : पीठ

पीठ ने कहा, अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके। उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मत्स्य पालन योजना में 7 तक करें आवेदन

मुरादाबाद, अमृत विचार : वित्तीय वर्ष 2025-26 में मत्स्य विभाग की संचालित राज्य सेक्टर की सघन मत्स्य पालन योजना में ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय पोर्टल खोला गया था। योजना में पर्याप्त आवेदन प्राप्त न होने के कारण योजना में महिला लाभार्थियों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने के लिए पोर्टल फिर 7 जनवरी 2026 तक खोला गया है। सहायक निदेशक मत्स्य राजेलाल ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सघन मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम और अन्य विवरण तथा आवेदन करने की प्रक्रिया की जानकारी विभागीय पोर्टल www.fisheries.up.gov.in पर देखी जा सकती है और विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य विकास भवन मुरादाबाद कक्ष संख्या 31 में भी प्राप्त की जा सकती है।

जांच में 17 जनवरी तक दे सकते हैं साक्ष्य

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिला कारागार में विचाराधीन बन्दी सोमपाल पुत्र फकीरा निवासी भैसिया थाना कटघर की 8 नवंबर 2025 को मेडिकल कालेज, मेरठ में उपचार के दौरान मृत्यु गई थी। इसकी मजिस्ट्रीयल जांच नगर मजिस्ट्रेट विनय पाण्डेय द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रकरण से सम्बन्धित बयान/साक्ष्य अथवा बयान और साक्ष्य कोई भी व्यक्ति अथवा संबंधित व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर मजिस्ट्रेट, कलेक्ट्रेट परिसर, मुरादाबाद में 17 जनवरी 2026 तक पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 2 बजे के मध्य उपस्थित होकर दिया सकता है।

प्रचार के अभाव में पिछड़ी खाद्य उन्नयन योजना

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना में उद्यान विभाग पिछड़ रहा है। विभागीय अधिकारी के अनुसार 2025 में मात्र 141 लाभार्थियों का आवेदन हो पाया। जिला उद्यान अधिकारी ने बैंक द्वारा दिए जाने वाले लोन में परेशान करने की वजह बताई गई। प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना जिले में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही है। वर्ष 2025 में योजना के अंतर्गत केवल 141 लाभार्थियों ने ही आवेदन किया है। जिला उद्यान अधिकारी रमेश कुमार योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य भी नहीं बता पाए।

13 को स्टेडियम में होगी फ्री स्टाइल कुश्ती

रामपुर, अमृत विचार : प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि 13 जनवरी को अपराह्न 3 बजे जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता होगी।

फ्री स्टाइल कुश्ती के लिए 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97 और 125 किग्रा भार वर्ग में होगी। जबकि, ग्रीको रोमन में 55, 60, 62, 67, 72, 77, 82, 87, 97 और 130 किग्रा भार वर्ग में होगी। जनपद स्तर पर जीतने वाले खिलाड़ी 14 जनवरी को मंडल स्तरीय ट्रायल में मुरादाबाद के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में पूर्वाह्न 11 बजे से प्रतिभाग करेंगे। प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता 16 से 17 जनवरी तक बलिया में होगी। जिला स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी दोपहर 12 बजे स्टेडियम पर पहुंचकर नाम दर्ज करा दें और अपने प्रमाण पत्र लेकर पहुंचे। जीतने वाले खिलाड़ियों को 14 को मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना होगा।

जिले में 117 शिक्षकों का किया गया है समायोजन, पोर्टल पर रिलीव भी किया

शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन, ज्ञापन दिया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- कार्यालय को ठेके पर संचालित करने का लगाया आरोप

अमृत विचार : 117 शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी संख्या में शिक्षक बीएसए कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि कार्यालय को ठेके पर और रात में संचालित किया जा रहा है। रिलीव बाबू को कार्यालय में कार्य करते देख शिक्षकों का गुस्सा भड़क गया।

शिक्षकों का आरोप है कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को 117 शिक्षकों का समायोजन किया गया, जिसकी सूचना शिक्षकों को नहीं दी गई। आरोप है कि शिक्षकों को बिना जानकारी दिए उसी दिन पोर्टल पर रिलीव एवं ज्वाइन भी दर्शा दिया गया। इस समायोजन के खिलाफ शिक्षक शुक्रवार को बीएसए कार्यालय पहुंचे। बीएसए से वार्ता करने का प्रयास किया, किंतु शिक्षकों की संख्या अधिक होने के कारण बीएसए कार्यालय नहीं पहुंचीं।

इसके बाद शिक्षक कलेक्ट्रेट गए और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इसके पश्चात शिक्षक पुनः बीएसए कार्यालय लौटे। जहां उन्हें जानकारी मिली कि समायोजन से संबंधित सभी कार्य रिलीव बाबू ने एक निजी कर्मी के साथ मिलकर किया है, जबकि वो दो माह पूर्व बीएसए कार्यालय से रिलीव हो चुके हैं। शिक्षकों का आरोप है कि समायोजन प्रक्रिया मनमाने ढंग से की गई है, जिससे शिक्षक परेशान हों और उनका आर्थिक शोषण किया जा सके। शिक्षकों ने समायोजन आदेश को निरस्त कर नियमानुसार पारदर्शी तरीके से पुनः समायोजन किए जाने की मांग की है। इस दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कैलाश बाबू पटेल, जिला मंत्री आनंद प्रकाश गुप्ता, अंजुम स्नेही सक्सेना, महेंद्र प्रताप सिंह, सतीश गिरोह, भानु प्रताप सिंह, रश्मि शर्मा, कुलसुम परवीन, गुड्डो देवी, अनीता, शीतल, राजेश कुमार, अरशद अली, आनंद पाल सिंह, इंद्र सिंह, प्रियंका सक्सेना, ज्ञान सक्सेना, रुचि गुप्ता, निधि सक्सेना समेत काफी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

बीएसए कार्यालय में प्रदर्शन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

48 लोगों को प्रशासन ने दिए नोटिस, मांगे कागज

जामा मस्जिद से सटे आठ बीघा कब्रिस्तान की 30 दिसंबर को की गई थी पैमाइश

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जे के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। विवादित धार्मिक स्थल के निकट स्थित आठ बीघा कब्रिस्तान की पैमाइश के बाद 22 दुकान-मकानों में रह रहे 48 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिका परिषद में टैक्स जमा करने मात्र से भूमि पर स्वामित्व सिद्ध नहीं होता, इसके लिए वैध साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा नहीं कर पाये तो सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

12 दिसंबर को श्री कल्कि सेना के राष्ट्रीय संयोजक सुभाष त्यागी एडवोकेट ने जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया से शिकायत की थी। कहा था कि विवादित धार्मिक स्थल के निकट गाटा संख्या 32/2 में आठ बीघा भूमि राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है लेकिन लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर मकान व दुकानें बनाकर खड़ी कर लीं। कहा गया था कि यह कब्जे सपा के शासनकाल में किये गये। यह भी आरोप था कि 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के दौरान इन्हीं मकानों की छतों से पुलिस बल पर पथराव व फायरिंग की गई थी। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम रामानुज व तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह को जमीन की पैमाइश कराने के निर्देश दिये थे। इसके बाद ही 30 दिसंबर को तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में नायब तहसीलदार बबलू कुमार, दीपक जुरैल और अरविंद कुमार सिंह की मौजूदगी में 22 लेखपालों की टीम ने भारी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच कब्रिस्तान की भूमि की पैमाइश की थी। पैमाइश के दौरान ही साफ हो गया था कि 22 दुकानें और बहुमंजिले मकान कब्रिस्तान की भूमि पर बनाये गये हैं।

इन्हीं दुकानों का निर्माण कब्रिस्तान की भूमि पर किये जाने का आरोप है। ● अमृत विचार

- 15 दिन में नहीं दिखाए वैद्य दस्तावेज तो होगी बेदखली की कार्रवाई

नहीं दिये पुख्ता दस्तावेज तो हटाए जाएंगे कब्जे

तहसीलदार संभल धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पैमाइश के दौरान यह बात साफ हो गई थी कि 22 दुकानें और उनके ऊपर जो मकान बने हैं वह कब्रिस्तान की भूमि पर बनाए गए हैं। पैमाइश के आधार पर गुरुवार को नोटिस जारी किए गए थे, जिन्हें शुक्रवार को सभी 48 लोगों को तामील करा दिया गया है। नोटिस में संबंधित लोगों को 15 दिन के भीतर अपना जवाब और साक्ष्य प्रस्तुत करने का समय दिया गया है। यदि तय अवधि में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार ने कहा कि कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि वह नगर पालिका को टैक्स दे रहे हैं, लेकिन टैक्स जमा करने से भूमि पर स्वामित्व सिद्ध नहीं होता। एक ही इमारत में कई परिवार रह रहे हैं, इसलिए प्रत्येक परिवार को अलग-अलग नोटिस जारी किए गए हैं।

उड़ी है रातों की नींद

प्रभावित लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कीं लेकिन हाईकार्ट ने भी कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई और प्रशासन के सामने अपने दस्तावेज रखने के निर्देश के साथ याचिका निस्तारित कर दी। इसके बाद आरोपी लोगों की रातों की नींद उड़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि इन्हीं दुकानों से उनकी रोजी रोटी चलती है। साथ ही कई लोगों के मकान भी दुकानों के ऊपर ही बने हैं। ऐसे में प्रशासन ने आगे कदम बढ़ाकर कुछ किया तो वह सड़क पर आ जायेंगे।

6 को मुरादाबाद आएंगे डॉ. प्रवीण तोगड़िया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया 6 जनवरी को मुरादाबाद आएंगे। उनकी मौजूदगी में संगठन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय होगी।

राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के आगमन को देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संगठन के भविष्य के कार्यक्रमों को दिशा मिलेगी। सम्भल में हरिहर महादेव का मंदिर शीघ्र बने इसके लिए भी योजना बनेगी। उनकी उपस्थिति में व्यापारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक होगी। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वह अपने प्रवास में व्यापारियों, चिकित्सकों, सिख समाज के प्रबुद्ध जनों और समाज के प्रतिष्ठित लोगों के साथ बैठक में संगठित हिंदू, सुरक्षित हिंदू, समृद्ध हिंदू विषयों पर चर्चा करेंगे। वह 6 जनवरी को शाम 5 बजे क्लासिक बैंक्वेट हाल में सभा को संबोधित करेंगे।

नाले में गिरने से यूकेजी के छात्र की मौत

शाहबाद, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव में खुले नाले में गिरने से यूकेजी के छात्र की डूबने से मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के गांव मित्तारपुर निवासी मुशाहिद खां का छह वर्षीय बेटा दानियाल मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। वापस आते समय वह नाले में गिर गया। काफी देर तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी खोज शुरू की। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। दो घंटे बाद गांव के ही एक व्यक्ति की नजर नाले में डूबे दानियाल पड़ी। परिजनों को सूचना दी। कड़ी मशक्कत से दानियाल को नाले से निकाला गया। इसके बाद परिजन उसे निजी चिकित्सक के यहां ले आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएम ग्रिड रोड अप्रैल तक होगी तैयार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल रोड तक हो रहा निर्माण
- वाकिंग जोन, रेस्ट एरिया, स्वच्छ पर्यावरण, ड्रेनेज आदि का पूरा प्रबंध

अमृत विचार : महानगर के लोगों को इस साल मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना से बनने वाली 1.5 किलोमीटर लंबी सुविधायुक्त एलीवेटेड रोड की सुविधा अप्रैल तक सड़क निर्माण कार्य पूरा होने से मिल जाएगी। लखनऊ की कार्यदायी संस्था आरसीसी डेवलपर्स इस सड़क का निर्माण करा रही है।

चौधरी चरण सिंह चौक से केल्टन स्कूल तक उच्च गुणवत्तायुक्त व भविष्य की जरूरतों को देखते हुए ड्रेन सिस्टम युक्त सीएम ग्रिड की सड़क मिल जाएगी। इसके बनने से इस क्षेत्र के करीब 10 हजार से अधिक लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। साथ ही इस सड़क पर भविष्य की ड्रेनेज सिस्टम की जरूरतों को भी पूरा किया जाएगा, जिससे ड्रेनेज के लिए बार-बार सड़क की खोदाई नहीं करनी पड़ेगी। इस 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क पर वाकिंग जोन, रेस्ट एरिया, स्वच्छ पर्यावरण और ड्रेनेज आदि का पूरा प्रबंध रहेगा। बुजुर्गों के लिए रेस्ट चेयर भी सड़क किनारे लगा रहेगा। यह सड़क आवागमन के साथ आरामदायक और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए बनाया जा रहा है। लखनऊ की एजेंसी आरसीसी डेवलपर्स इसका निर्माण करा रही है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाकर हर हाल में अप्रैल तक इसका निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया है।

प्रकाश नगर चौराहे की सड़क। ● अमृत विचार

यह होंगी सुविधाएं

योजना के अंतर्गत सड़क से संबंधित सभी सुविधाएं जैसे- यूटीलिटी डक्ट, फुटपाथ, ग्रीन ज़ोन, सौर आधारित स्ट्रीट लाइट, बस स्टॉप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, सौंदर्यीकरण, पैदल यात्री सुविधा आदि सुविधा दी जाएंगी।

अवैध खनन व ओवरलोडिंग में 1424 वाहनों की जांच की

रामपुर, अमृत विचार : जनपद रामपुर में अवैध उप-खनिज खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन निगरानी और कार्रवाई जारी है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार 30 दिसंबर 2025 को जनपद की सभी तहसीलों में प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर 9 चेक प्वाइंट स्थापित कर रात्रि 8 बजे से प्रातः 7 बजे तक विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्रशासन, पुलिस तथा परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा गुरुवार रात 1424 वाहनों की जांच की गई। जिलाधिकारी ने लेखपालों एवं कानूनगो को निर्देशित किया कि जनपद में कहीं भी मानक से अधिक मिट्टी उठान या अवैध खनन पर जुर्माने सहित एफआईआर दर्ज की जाए। अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर अवैध खनन की किसी भी गतिविधि पर पैनी नजर बनाएं रखें।

अपार आईडी न बनाने पर विद्यालयों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- दो साल बाद भी अपार आईडी बनवाने का कार्य अधर में
- कुछ विद्यालयों में महज 5 फीसदी हुआ है आईडी बनाने का काम

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद से संबद्ध जिले के 429 विद्यालयों में कक्षा 6 से 12वीं तक अध्ययनरत 6 लाख से अधिक विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने का कार्य दो वर्षों में भी पूरा नहीं हो सका है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक मात्र 45 प्रतिशत अपार आईडी नहीं बन पाई हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए 18 विद्यालयों को जिला विद्यालय निरीक्षक ने नोटिस जारी किया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले दो वर्ष से माध्यमिक शिक्षा परिषद के संबद्ध विद्यालय में छात्र प्रोफाइल कॉलेज यूडाइस पोर्टल अपलोड अपार आईडी बनाने का कार्य किया जा रहा है। हालांकि निर्धारित समय भी निकल चुका है इसके बाद कई बार विद्यालयों प्रधानाचार्य को मौका दिया गया था। फिर भी जिले में 45 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। शुक्रवार को सभी विद्यालयों की प्रगति जानने के लिए ऑनलाइन बैठक में अपार आईडी और परीक्षा पे चर्चा की समीक्षा की गई। इस दौरान यह भी सामने आया कि 15 ऐसे विद्यालय हैं, जहां अपार आईडी बनाने की प्रगति महज 5 प्रतिशत रही।

इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए संबंधित विद्यालयों को नोटिस जारी कर दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। दिए समय के भीतर स्पष्टीकरण न देने पर शासन इसकी रिपोर्ट कार्रवाई की जाएगी। उधर, आगामी परीक्षाओं को लेकर आवश्यक तैयारियों में भी बड़ी खामियां पाई गई हैं।

विभागीय निर्देशों के बावजूद लगभग 200 विद्यालय परीक्षा संबंधी कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाए हैं। इन विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा को लेकर अध्यापकों और अभिभावकों के साथ अनिवार्य चर्चा होनी थी, साथ ही छात्रों के पंजीकरण का कार्य भी कराया जाना था, जो अब तक अधूरा है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा न करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अभिभावकों और छात्रों में भी अपार आईडी और परीक्षा तैयारी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इन विद्यालयों को नोटिस जारी हुआ

- तस्लीमा मेमोरियल पंडित नगला
- पवार इंटर कॉलेज, गाजीपुरा
- आरके इंटर कॉलेज, काजीपुरा
- बीएचए. इंटर कॉलेज, कटघर
- फलाहे दारेन इंटर कॉलेज
- नेशनल मॉडर्न स्कूल, बाईपास, करुला
- ओमवती राजा राम इंटर कॉलेज
- भारतीय बाल विद्या मंदिर
- विकास इंटर कॉलेज, दुर्गा कॉलोनी, सिहोरा गोविंद
- सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गुलाबबाड़ी
- तोता राम सैनी (टीआरएस) मेमोरियल हायर सेन एसईसी एससीएच स्कूल
- एमए. इंटर कॉलेज काजीपुरा रोड (मऊ)
- सावित्री बाई फुले कन्या इंटर कॉलेज, शाहपुर तिगरी
- श्रीमती श्यामो देवी मेमोरियल इंटर कॉलेज सूरज नगर
- साजिद इंटर कॉलेज, मुरादाबाद,
- ओंकार सरन गर्ल्स इंटर कॉलेज, जयंतीपुर रोड
- सुरभि शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज
- केआर कन्या इंटर कॉलेज, दुर्गेश नगर

वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के तहत रामपुर नगर का चयन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- बिजली सुधार के लिए तकनीकी और व्यवसायिक टीमों की होगी अलग-अलग तैनाती

अमृत विचार : बिजली व्यवस्था में सुधार के साथ ही रामपुर में तैनात अधिकारियों के कंधों से भी काम का बोझ कम होगा। इसके लिए नगर विधायक आकाश सक्सेना के प्रयासों के बाद विभाग में वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग लागू कर दी गई है, जिसमें प्रदेश के छोटे जनपद रामपुर का चयन किया गया है। अब से पहले ये व्यवस्था नगर निगम स्तर पर होती थी।

योजना के तहत विभाग में अब तकनीकी और व्यावसायिक टीम की अलग-अलग तैनाती होगी। तकनीकी टीम बिजली सुधार का काम देखेगी, जबकि कॉमर्शियल टीम राजस्व वसूली समेत नए कनेक्शन जारी करने का कार्य देखेगी। पिछले दिनों नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के आगमन पर शहर विधायक आकाश सक्सेना ने उनके समक्ष बिजली समस्या के मुद्दे को रखा था। जिसके बाद अब विभाग की ओर से वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था लागू की गई है। अब तक जहां प्रथम डिविजन में एक ही अधिशासी अभियंता की तैनाती थी। उन्हीं की देखरेख में सभी कार्य होते थे। किंतु नई व्यवस्था के तहत एक अधिशासी अभियंता, दो उपखंड अधिकारी एवं दो अवर अभियंताओं की अतिरिक्त तैनाती हो जाएगी। इसमें से एक अधिशासी अभियंता को तकनीकी कार्य दिया जाएगा। जिसमें 24 घंटे विद्युतापूर्ति, बिजली लाइनों का रख-रखाव, नई लाइनों को निर्माण, ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि आदि कार्य शामिल होंगे। जबकि दूसरे अधिशासी अभियंता को व्यावसायिक कार्य दिए जाएंगे। इसमें नए कनेक्शन जारी करने, बिजली बिलों में संशोधन, स्मार्ट मीटर लगाने, सोलर लगाने, राजस्व वसूली सहित अन्य कार्य सम्मिलित होंगे। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद जहां शहर की विद्युतापूर्ति में सुधार हो जाएगा, वहीं विभाग की राजस्व वसूली में भी सुधार हो जाएगा।

शाहबाद गेट और किला बिजलीघर पर बनेंगी हेल्प डेस्क : वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के तहत बिजली विभाग की ओर से दो हेल्प डेस्क बनाई जाएंगी। इसमें एक हेल्प डेस्क किला बिजलीघर पर रहेगी, तो दूसरी हेल्प डेस्क शाहबाद गेट बिजलीघर पर रहेगी। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से शहर का कोई भी उपभोक्ता अपनी किसी भी तरह की समस्या को लेकर जा सकता है, जिसका निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए बिजली विभाग के अधिकारी भी बाध्य होंगे, क्योंकि इन हेल्प डेस्क की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था रहेगी।

फाल्ट अटेंड करने के लिए मिलेंगी चार पिकअप

तकनीकी समस्याएं या फाल्ट अटेंड करने के लिए विभाग को चार पिकअप भी मिलेंगी। इन पिकअप में सीढ़ी से लेकर तमाम जरूरी उपकरण होंगे, जो तकनीकी खामियों को दूर करने के काम आएंगे। अभी तक ये योजना सिर्फ नगर निगमों वाले जनपदों मे हैं

> बिजली विभाग में वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था लागू हुई है। इसके तहत अतिरिक्त अधिशासी अभियंता, एसडीओ और दो अवर अभियंताओं की अतिरिक्त तैनाती होगी। इसके लागू होने से आपूर्ति सुधार के साथ ही राजस्व वसूली में प्रगति और उपभोक्ताओं की समस्याओं का भी निर्धारित समय में निस्तारण हो सकेगा।
>
> **-सतेंद्र चौहान,** अधीक्षक अभियंता, रामपुर।

> वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग के तहत प्रदेश में रामपुर जनपद का चयन होना इस बात का संकेत है कि सरकार रामपुर का सुव्यवस्थित विकास चाहती है। यह रामपुर की बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए अहम साबित होगा। उपभोक्ताओं की समस्याओं का भी समय रहते निस्तारण संभव हो सकेगा।
>
> **-आकाश सक्सेना,** शहर विधायक, रामपुर।

गुरु जम्भेश्वर विवि के तीन खिलाड़ी भारोत्तोलन प्रतियोगिता में चयनित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन आल इंडिया यूनिवर्सिटी भारोत्तोलन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही विवि प्रशासन में भी खुशी है।

25 से 30 दिसंबर 2025 नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी भारोत्तोलन प्रतियोगिता चंडीगढ़ में हुई थी। जिसमें गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के लिए तीन खिलाड़ियों ने अपना स्थान पक्का किया। जिन तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है उसमें रूबी, वर्धमान कॉलेज बिजनौर ने 58 किलो कैटेगरी में 146 किलो वजन उठाया।

मानिक चौधरी, जेएस हिन्दू डिग्री कॉलेज अमरोहा ने 94 किलो कैटेगरी में 240 किलो वजन उठाया। अमन चौधरी, जेएस हिन्दू डिग्री कॉलेज अमरोहा ने 110 किलो कैटेगरी में टोटल 250 किलो वजन उठाया और अपना स्थान ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए सुरक्षित करने में सफलता हासिल की। इस उपलब्धि पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस रावत ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

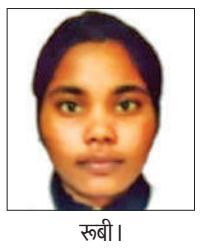

रूबी।

मानिक चौधरी।

अमन चौधरी।

- विवि के क्रीड़ा सचिव ने दी चयनित खिलाड़ियों को बधाई

शहर में आज

- अंतर राष्ट्रीय साहित्य कला मंच का 38वां वार्षिक समारोह सिविल लाइंस स्थित शहनाई मंडप में सुबह 10 :00 बजे
- समाजवादी पार्टी के सिविल लाइंस स्थित जिला कार्यालय पर सावित्री बाई फुले की जयंती पर गोष्ठी 11 :00 बजे
- कांठ रोड स्थित राजकीय पालीटेक्निक में हैंडलूम एक्सपो 11 :00 बजे

न्यूज ब्रीफ

रोडवेज के सामने आवंटित दुकानों को नहीं हटने देने का निर्णय

मुरादाबाद, अमृत विचार : व्यापारी सुरक्षा फोरम की बैठक शुक्रवार को बुद्ध बाजार में अध्यक्ष विजय मदान की अध्यक्षता में हुई। इसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अवतार रस्तोगी ने कहा कि रोडवेज के सामने आवंटित दुकान हम नहीं हटने देंगे और किसी भी व्यापारी को बेरोजगार होने नहीं देंगे। पोनी सहगल ने कहा कि मंडी समिति में जल्द से जल्द दुकानों का निर्माण कराया जाए। फोरम के महामंत्री नितिन राज ने कहा कि नगर निगम में दुकानों तथा खोखे के किराए बढ़ाकर उनका शोषण किया जा रहा है। इससे व्यापारियों में नाराजगी है। जल्द ही संबंधित अधिकारियों से मिलकर समस्याओं का निराकरण कराने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में संदीप मेहता, दिलीप अग्रवाल, बीके शर्मा आदि व्यापारी उपस्थित थे।

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव से मिले व्यापारी

मुरादाबाद, अमृत विचार : संयुक्त व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जॉनी और प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता ने मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पंकज वर्मा से शुक्रवार को मुलाकात की। समन्वय स्थापित कर व्यापारियों को प्राधिकरण की योजनाओं का लाभ दिलाने पर चर्चा की। दोनों पदाधिकारियों ने प्राधिकरण के सचिव को पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बुध बाजार में फाल्ट से आपूर्ति घंटों रही बाधित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- शिकायत करने के बाद सुबह सुचारु हुई आपूर्ति

अमृत विचार : टाउन हॉल विद्युत केंद्र से जुड़े बुध बाजार क्षेत्र में गुरुवार की देर रात 11 हजार केवी लाइन में नमी आने के कारण फाल्ट हो गया, जिससे शहर के कई इलाकों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। फाल्ट के चलते कटरा बाजार, मानपुर, कोठीवाल नगर, तालिखना रोड और बुध बाजार की बिजली आपूर्ति रात करीब 3 बजे से ठप हो गई।

शुक्रवार को कटरा बाजार, मानपुर, कोठीवाल नगर, तालिखना रोड मोहल्ले में लोग बिजली न होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर सुबह जब लोगों को ऑफिस और बच्चों के स्कूल जाने के समय महिलाओं घरेलू काम काज में दिक्कत झेलनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने बिजली बिजली आपूर्ति गुल होने के कारण बिजली कर्मचारियों को फोन किया जिसके बाद मौके पर पहुंचे विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा सुबह करीब 8 बजे आंशिक रूप से बिजली आपूर्ति बहाल की गई, लेकिन कई क्षेत्रों में लो वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रही। दीवान का बाजार, नवाबपुरा, लालबाग, डेहरिया और कानून गोआन के स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली कर्मचारियों को फोन कर फाल्ट की जानकारी दी तो 10 बजे के बाद ठीक करने की बात कहकर फोन काट दिया गया। इससे उपभोक्ता नाराज हुए।

मुरादाबाद स्मार्ट सिटी बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हुई

एजेंसी करेगी एक्वा स्क्रीन प्रोजेक्शन मैपिंग एट वाटर बॉडी का संचालन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुरादाबाद स्मार्ट सिटी एसपीवी बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक शुक्रवार को मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय सभागार में हुई। इसमें नगर आयुक्त व स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांशु पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निदेशक मंडल ने स्मार्ट सिटी लिमिटेड के निदेशक के रूप में हितेश कुमार, सहयुक्त नियोजक टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग को निदेशक नियुक्त करने का अनुमोदन प्रदान किया।

बैठक में निदेशक मंडल ने मुरादाबाद स्मार्ट सिटी परियोजना एक्वा स्क्रीन आधारित प्रोजेक्शन मैपिंग एट वाटर बॉडी का संचालन रेवन्यू आधार पर करने के लिए एजेंसी चयनित करने के लिए निविदा की प्रक्रिया के प्रस्ताव का अनुमोदन प्रदान किया। इसके अलावा स्मार्ट रोड नेटवर्क के अन्तर्गत आबकारी भवन के सामने से टाउनहाल चौराहे तक के शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया।

निदेशक मंडल मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड परियोजना के अन्तर्गत ब्रास फर्नेस फैसिलिटी सेंटर एंड एमएचएससी भवन में स्थापित मशीनरी को गुरु जम्भेशवर विश्वविद्यालय के साथ समन्वय करते हुए विश्वविद्यालय स्तर से इनके प्रभावी संचालन के बारे में जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया। बैठक में स्मार्ट सिटी के एसीईओ अतुल कुमार, मुख्य अभियंता बिजली विभाग अशोक कुमार चौरसिया, अल्का सिंह, संयुक्त निदेशक, आरसीयूईएस, हितेश कुमार, सहयुक्त नियोजक टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग, कामना शर्मा, स्वतंत्र निदेशक, एके मित्तल जनरल मैनेजर (तकनीकी), सौरभ बन्सल, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी, सौरभ गुप्ता, कम्पनी सेक्रेटरी और गौरव चतुर्वेदी आईटी आफिसर आदि मौजूद रहे।

सभागार में बैठक करते मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह, व मौजूद अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

मुसीबत : सिमट नहीं रही कोहरे की चादर

अधिकतम तापमान 15 और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस पर लुढ़का, बाजारों में सन्नाटा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कोहरे और शीतलहर का कहर कम नहीं हो रहा है। नये साल के दूसरे दिन कोहरे और शीतलहर से लोग ठिठुर गए। लोगों की कंपकपी छूट गई। कोहरे के चलते दृश्यता बेहद कम रही। हर जतन करने के बाद भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिल रही है। घरों में रजाई और कंबल में दुबके लोग भी कांपते रहे।

नये साल के दूसरे दिन शुक्रवार को और गलन बढ़ने से जनजीवन बेपटरी हो गया। सूरज का दर्शन न होने से पूरे दिन ठंडी हवा ने लोगों को कंपा दिया। हीटर, ब्लोअर, कंबल, रजाई भी काम नहीं आए। वहीं सड़क किनारे रात बिताने वाले निराश्रित व बेसहारों पर ठंड किसी जुल्म से कम नहीं रहा। पार्कों में सन्नाटा पसरा रहा। सड़कों पर चहल पहल अन्य दिनों की तुलना में कम रही। कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्कूल, कॉलेजों में छुट्टियां सरकार ने बढ़ा दीं हैं। कई स्कूल शुक्रवार को खुले रहे। जिससे छात्र-छात्राओं को ठिठुरते हुए जाना पड़ा। हालांकि कक्षाओं में उपस्थिति कम रही। कक्षा नौ से 12वीं तक के छात्र9छात्राओं को ठंड झेलनी भारी पड़ रही है। इन दिनों बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित और संबद्ध स्कूलों में 14 जनवरी तक शीतकालीन सत्र का अवकाश होने से छोटे बच्चों को राहत है। सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलने के बाद भी लोग ठंड से राहत पाने के लिए परेशान हैं। जिला प्रशासन की ओर से आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से रात में अलाव व कंबल वितरण के अलावा रैन बसेरों में प्रबंधों की लगातार मानीटरिंग की जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 15 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता 75 प्रतिशत रहने से वातावरण में अधिक नमी रही। शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान एक डिग्री और कम रहने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। हल्की बारिश भी हो सकती है।

सुबह ठंड में कोहरे में गुजरते लोग। ● अमृत विचार

ठंड में आग तापते लोग। ● अमृत विचार

ठंड में घटी पार्कों में आने वालों की संख्या, निगम की आय पर चोट

मुरादाबाद, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड में सार्वजनिक व नगर निगम के पार्कों में आने वालों की संख्या काफी कम हो गई है। इससे पार्कों में सन्नाटा होने से नगर निगम की आय पर भी चोट पहुंची है। कंपनी बाग स्थित पार्क में निर्धारित प्रवेश शुल्क लिया जाता है। आने वालों की कम संख्या के चलते नगर निगम की आय बुरी तरह प्रभावित हुई है। महानगर की कॉलोनियों में बने पार्क भी इन दिनों ठंड और धूप न होने से सूने हैं। बड़े और बच्चे पार्क से दूरी बनाए हैं। वहीं नगर निगम की ओर से संचालित कंपनी बाग में भी इन दिनों आने वालों की संख्या काफी कम हो गई है। इस पार्क में प्रवेश के लिए पहले निगम ने 50 रुपये शुल्क लगाए थे। जिसे पिछले दिनों कार्यकारिणी की बैठक में 30 रुपये करने का निर्णय लिया गया। लेकिन इसके बाद भी लोग बहुत कम पहुंच रहे हैं। कंपनी बाग पार्क में सुबह 9 बजे तक मार्निंग वाक करने वालों को ही पार्क में निशुल्क प्रवेश मिलता है। इसके बाद पूरे दिन 30 रुपये का टिकट लेकर प्रवेश दिया जाता है। नगर निगम प्रशासन ने टिकट के लिए शुल्क पार्क में सफाई व्यवस्था व रखरखाव के लिए लगाया है। लेकिन ठंड में लोगों की सीमित संख्या से निगम की आय भी गिर गई है।

भगवान श्रीराम का जीवन समाज के लिए मार्गदर्शक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- अंतिम दिन कथाव्यास शिव कुमार शास्त्री ने सुनाया भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का प्रसंग

अमृत विचार : हरे कृष्ण सेवा न्यास समिति की ओर से बुद्धि विहार स्थित बैंक्वेट हॉल में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा का शुक्रवार को समापन हो गया। अंतिम दिन कथाव्यास शिव कुमार शास्त्री ने भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का अत्यंत मार्मिक और प्रेरक प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को रामराज्य की अनुभूति कराई। जैसे ही श्रीराम के राजतिलक का वर्णन हुआ, पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

शिव कुमार शास्त्री।

कथाव्यास ने कहा कि श्रीराम का राज्याभिषेक केवल ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि आदर्श शासन, न्याय, करुणा और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। रामराज्य में प्रजा सुखी, सुरक्षित और संतुष्ट थी, जहां राजा स्वयं को सेवक मानता था। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का जीवन आज के समाज के लिए भी मार्गदर्शक है, जो सत्य, त्याग और कर्तव्य के पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। कथाव्यास ने कहा कि जब-जब समाज में अधर्म बढ़ता है, तब-तब प्रभु किसी न किसी रूप में अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना करते हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और संयम का पालन कैसे किया जाए। अंतिम दिन राज्याभिषेक प्रसंग के साथ कथा को पूर्णता प्रदान करते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने जीवन में राम के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कथा के समापन अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने कथाव्यास का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र देव शर्मा, कोषाध्यक्ष मनुस्मृति, सचिव श्यामसुंदर गौड़, संयोजक प्रदीप शुक्ला, निमित जायसवाल, रजत शर्मा, आरके गंगवार, भारती भटनागर, मंजू शर्मा, अंजू गौड़, सुमन विश्नोई, राधिका शर्मा आदि मौजूद रहे।

दरगाह पहलवान शाह पर सालाना उर्स संपन्न, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : लाजपत नगर स्थित दरगाह हजरत हाफिज बाकर अली शाह अल मारूफ पहलवान शाह साहब नक्शबंदी कादरी का सालाना उर्स चौथे दिन शुक्रवार को अकीदत व एहतराम के साथ सम्पन्न हुआ।

उर्स के बाद नमाज-ए-फजर कुरान ख्वानी की गई। इसके बाद बाद नमाज-ए-जुम्मा 30वीं सालाना नजर व नियाज मखदूम-उल-मुल्क हजरत हकीम शाह कुरैश अहमद कुद्दुसी साबरी की अदा की गई। वहीं बाद नमाज-ए-अस्र नबी-ए-करीम हजरत मुहम्मद के नाम से महाना नजर का एहतमाम किया गया। इस मौके पर आयोजित महफिल में शायरों ने नात और कलाम पेश कर समां बांध दिया। नामचीन शायरों की शायरी को जायरीनों ने खूब सराहा। मुतवल्ली व सज्जादानशीन हाफिज इफ्तेखार हुसैन चिश्ती साबरी ने कहा कि हमें नबी-ए-करीम की सीरत को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। समाज में जरूरतमंद और गरीबों की मदद करना, बुराइयों और नशे से दूर रहना, शादियों को नबी की सुन्नत के मुताबिक सादगी से करना और अच्छी शिक्षा हासिल कर समाज की भलाई में योगदान देना जरूरी है। इसके बाद देश में आपसी प्रेम,खुशहाली, तरक्की और अमन-ओ-अमान के लिए विशेष दुआ कराई गई। अंत में सज्जादानशीन ने सभी जायरीनों और खिदमतगुजारों का शुक्रिया अदा किया, जिसके साथ ही उर्स मुकम्मल हुआ।

इस अवसर पर हाफिज फजले हक, हाफिज शाहिद हुसैन, हाजी यासीन, शाहबाज कुद्दुसी, अंजार साबरी, मसूद साबरी, स्वालेह हसन, नूरुल, तंजीम साबरी, चांद नईमी, फरहान, अमीर, शादाब साबरी, अतीक साबरी, मोईन, मोहम्मद अरमान, मोहसिन, हाफिज अल्तमश आदि जायरीन रहे।

लाजपत नगर स्थित दरगाह हजरत हाफिज बाकर अली शाह अल मारूफ पहलवान शाह के उर्स पर कुरान ख्वानी करते अकीदतमंद। ● अमृत विचार

छात्राओं के लिए वरदान बना मिशन शक्ति अभियान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- अभियान के तहत महिलाओं के लिए नए अवसरों की जानकारी दी

अमृत विचार : आत्मरक्षा और सामाजिक जागरुकता कैंपेन में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति 5 ने तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के छात्राओं को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। सितंबर से दिसंबर तक चले व्यापक अभियान में विवि की 6,000 छात्राओं को आत्मरक्षा, सामाजिक चेतना और आत्मविश्वास से जुड़े टिप्स दिए।

विवि परिसर और संबद्ध कॉलेजों में नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, आत्म-सुरक्षा सत्र, कार्यशालाएं, नारे लेखन, लघु फिल्म प्रदर्शन, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, गुड व बैड टच की जानकारी दी गई। इस दौरान कानूनी जागरूकता, एंटी-रैगिंग, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम जैसे विषयों पर विशेष कार्यशालाएं हुईं। सीओ राजेश कुमार ने छात्राओं को जागरूक किया। इसके अलावा छात्राओं को स्तन कैंसर, मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और नई शिक्षा नीति और महिलाओं के लिए उभरते शैक्षणिक अवसरों पर विशेष सत्र में जानकारी दी जा रही है। नर्सिंग कॉलेज की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी ने कहा कि मिशन शक्ति फेज 5 के अन्तर्गत छात्राओं को समझाया कि वह समाज और कार्यस्थल पर अपनी सशक्त पहचान कैसे स्थापित कर सकती हैं? चुनौतियों का सामना कैसे कर सकती हैं? फिजियोथेरेपी विभाग की विभागाध्यक्ष व मिशन शक्ति 5 की नोडल अधिकारी, प्रो. शिवानी एम. कौल ने कहा कि मिशन शक्ति के माध्यम से उन्हें महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों को लागू करने का अवसर प्राप्त हुआ।

भौतिक विज्ञान में अच्छे अंक लाने के लिए छात्र खुद पर करें पूरा भरोसा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : 12 वीं कक्षा के यूपी बोर्ड के छात्र छात्राओं को भौतिक विज्ञान में अच्छे अंक लाने के लिए सभी बच्चों को सबसे पहले अपने आप पर पूरा भरोसा करना होगा। राजकीय इंटर कॉलेज के भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता ने बताया कि यूपी बोर्ड की परीक्षा में बैठने से पहले छात्रों को अपने मन में बैठे डर को निकालना होगा, और किसी तरह का दिमाग पर बोझ न डालकर मन और दिमाग एकत्र पढ़ाई करें।

अरविन्द कुमार।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रश्न हल करने की करने की क्षमता हर छात्र में होती है लेकिन छात्र परीक्षा से अक्सर नर्वस हो जाते है जो कि बिल्कुल नहीं होना है। मन को शांत एवं अविचल रखना होगा। इसकी तैयारी के लिए सर्वप्रथम बहुविकल्पीय प्रश्न, अति लघु उत्तरीय प्रश्नों को ध्यान देने की जरूरत है साथ पूरे प्रश्न का पढ़कर पहले उसके एक मिनट में दिमाग में बसा ले कि प्रश्न क्या उत्तर मांग रहा है, कई छात्र जल्दबाजी में सही प्रश्न के सही उत्तर याद होने के बाद भी गलत कर देते हैं। इसलिए किसी प्रकार की जल्दबाजी अच्छी नहीं होती। बोर्ड परीक्षा-2026 में, भौतिक विज्ञान में 50 प्रतिशत आंकिक प्रश्न पूछे जायेगें। एक इनका अभ्यास ध्यानपूर्वक करना होगा, क्योंकि आंकिक प्रश्न हल करने पर पूरे अंक मिलते है। जिसमे मेरिट भी अच्छी बनती है।

यूपी बोर्ड की भौतिक विज्ञान की परीक्षा के लिए निम्न टापिक हैं महत्वपूर्ण

- संधारित्रों का श्रेणीक्रम एवं समान्तर क्रम संयोजन।
- बायो-सेवर्ट के नियम पर आधारित आकिंक प्रश्न।
- चुम्बकीय द्विध्रुव आघूर्ण पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न ।
- प्रत्यावर्ती विद्युत धारा तथा वोल्टता का शिखरमान एवं वर्ग माध्यमूल मान पर आधारित आंकिक प्रश्न।
- यंग का निश द्विझिर्री प्रयोग एवं एवं फ्रिन्ज चौड़ाई ज्ञात करने पर आधारित आंकिक प्रश्न।
- प्रति न्यूक्लिऑन बंधन ऊर्जा ज्ञात करने से संबंधित आंकिक प्रश्न।

- राजकीय इंटर कॉलेज के भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने दिए टिप्स

प्राधिकरण की टीम ने सील किया अवैध निर्माण

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुभव सिंह के निर्देश पर प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने बिना नक्शा स्वीकृत कराए जा रहे भवन निर्माण कार्य को सील कर दिया।

प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को 24 मीटर रोड, चैतिया फार्म हाउस के सामने, शाहपुर तिगरी में भटनागर और विक्की के द्वारा लगभग 70 वर्ग मीटर क्षेत्र में आवासीय भवन का निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृति के किया जा रहा था। जिसमें उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को सील बंद कर दिया। चेतावनी दी कि प्राधिकरण से बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किसी भी प्रकार का निर्माण, प्लाटिंग अथवा विकास कार्य पूर्णतः अवैध एवं दंडनीय है। ऐसे मामलों में प्राधिकरण सीलिंग, ध्वस्तीकरण एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई करेगा। जनहित में नागरिकों एवं भू-स्वामियों से अपील किया गया कि किसी भी निर्माण कार्य से पूर्व मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें। विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करें।

अवैध निर्माण सील करती टीम।

आयोजन | विरासत शास्त्रीय नृत्य संध्या एवं सम्मान समारोह टिमिट सभागार में मुसांस ने आयोजन किया

मानसी सक्सेना के कथक ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध, मिली वाहवाही

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज (मुसांस) का मनोरंजक कार्यक्रम विरासत शास्त्रीय नृत्य संध्या एवं सम्मान समारोह शुक्रवार की देर शाम दिल्ली रोड स्थित टिमिट सभागार में हुआ। कार्यक्रम का संयोजन साधना अग्रवाल और संचालन विख्यात रामलीला निर्देशक डॉ. पंकज दर्पण अग्रवाल ने किया।

दिल्ली रोड स्थित टिमिट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर कुंवर रणविजय सिंह, पंजाब से आई कत्थक नृत्यांगना मानसी सक्सेना, दीपक बाबू, सुरेश चंद्र अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य अतिथि ने मुसांस द्वारा सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज को संस्कारित करने के प्रयासों की सराहना कर प्रशासनिक स्तर पर हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। फिर सिलसिला आरम्भ हुआ कत्थक नृत्य प्रस्तुतियों का। एक के बाद एक उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बार बार तालियां बजाने के लिये विवश कर दिया। डॉ. मानसी सक्सेना और श्वेता एवं चारु ने भी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत की सेवा करने के लिये डॉ. मानसी सक्सेना का सार्वजनिक नागरिक अभिनन्दन भी किया गया। सम्मान स्वरूप शॉल, पटका, सम्मान पत्र एवं सम्मान चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। इनके अतिरिक्त मुसांस की साथी कैप्टन डॉ. मीनू मेहरोत्रा को मेजर का तमगा मिलने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। विशाल गुप्ता, डॉ. मनोज अग्रवाल, सीए अभिनव अग्रवाल, विभा अरोरा भी सम्मानित किए। कार्यक्रम में संयोजिका साधना अग्रवाल द्वारा हाऊजी, सरप्राइज प्रश्न तथा अन्य खेलों को खिलाया। अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने इतनी बड़ी संख्या में आने के लिये सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में ममता गर्ग, राजीव अग्रवाल, अनूप मेहरोत्रा, गोपाल हरि, राजेश सिंघानिया, अतुल अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल, राजू खन्ना, मनोज रस्तोगी का सहयोग रहा।

शास्त्रीय नृत्य संध्या व सम्मान समारोह में मंच पर मौजूद मुख्य अतिथि एसपी सिटी व अन्य। ● अमृत विचार

टिमिट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कथक नृत्य प्रस्तुत करतीं मानसी सक्सेना।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,3 जनवरी 2026

वार्ड 18 में सड़क पर जलभराव को लेकर भड़के लोग

बड़ी संख्या में लोगों ने किया प्रदर्शन, नगर पालिका पर ध्यान न देने का लगाया आरोप, कहा- जलभराव बना मुसीबत

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

घरों के सामने भरा पानी। ● अमृत विचार

नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन करते वार्ड के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर के वार्ड नंबर 18 में घरों के बाहर जलभराव के चलते लोग परेशान हैं। लोगों ने नगर पालिका पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और पालिका अध्यक्ष के विरोध में नारेबाजी की। लोगों का कहना है कि लंबे समय से वार्ड में दूषित जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है, लेकिन इसके समाधान के लिए नगर पालिका स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

वार्ड नंबर 18 में कई गलियों में नालियां न होने के कारण पानी भरा रहता है। लोगों का निकलना दुश्वार है।जलभराव के कारण बुजुर्गों और युवाओं को तो परेशानी हो ही रही है, साथ ही बच्चों को स्कूल जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सभासद मोहम्मद आसिफ सैफी ने बताया कि वह काफी समय से दूषित जलभराव,

● जलभराव से शीघ्र निजात दिलाने की मांग

गंदगी और बदहाल सड़कों की समस्या को लेकर पालिकाध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी को अवगत करा चुके हैं, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने एसडीएम ने भी इस समस्या की शिकायत की । नगर पालिका की लापरवाही के कारण वार्ड वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह वार्डवासियों के साथ मिलकर उच्चाधिकारियों के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

सभासद का कहना है कि टूटी नालियों, बदहाल सड़कों और जल निगम द्वारा बिछाई गई पाइपलाइन में कई स्थानों पर टोटियां न लगाए जाने के कारण जलभराव की समस्या और गंभीर हो गई है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि कई महीनों से वार्ड में गंदा पानी जमा होने के कारण अब घरों में नलों से भी दूषित पानी आ रहा है और मकानों में सीलन बढ़ रही है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया और कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी।

जल भराव से बचकर गुजरते बच्चे। ● अमृत विचार

विधायक श्याम बिहारी लाल के निधन पर जताया शोक

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर बंजारा समाज सहित भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। मोहल्ला बंजारन स्थित धर्मशाला में शोक सभा का आयोजन किया गया।

वह दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए थे। लगभग दो वर्ष पूर्व वह मोहल्ला बंजारन की धर्मशाला में आयोजित एककार्यक्रम में शामिल होने आए थे। श्रीरामलीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी उनकी उपस्थिति रही थी। लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शोक सभा में भाजपा मीडिया प्रभारी कमलेश कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव सिंघल, पत्रकार चमन लाल, अनिल कुमार नायक, एडवोकेट सुधीर नायक, ओम कुमार एडवोकेट, विशंभर दयाल, रविंद्र कुमार, रिंकू, मुकेश कुमार वर्मा, विमल कुमार, धर्मेंद्र कुमार पाल, मनोज कुमार चौहान, अविनाश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में कुंदरकी के युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कुंदरकी, अमृत विचार : लखनऊ में देर रात हुए सड़क हादसे में कुंदरकी क्षेत्र के एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, अमरोहा जिले का एक और युवक भी इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठा। तीनों युवक एक कार से लखनऊ से घर आ रहे थे, तभी घना कोहरा हादसे की वजह बन गया।घटना बृहस्पतिवार रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, जैसे ही कार मैनकलगंज-शाहजहांपुर रोड के पास पहुंची कि, घने कोहरे के कारण गन्ना लदे ट्रॉले से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां कुंदरकी के गांव रसूलपुर हमीर निवासी मुर्तजा (21) पुत्र हाजी इरशाद और अमरोहा के गांव मंडियों निवासी आस मोहम्मद (18) पुत्र आसिम को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, कुंदरकी के ग्राम डोमघर निवासी जुनैद पुत्र जरार की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतक मुर्तजा चार भाइयों में सबसे छोटा था। परिजन शव लेने लखनऊ रवाना हो गए हैं।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ के ग्राम ज्ञानपुर निवासी निवासी सोमराज के खिलाफ पॉक्सो एक्ट का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। वह मुकदमे में अपनी पेशी पर हाजिर नहीं हुआ तो न्यायालय ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए थे। थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

किशोरी को लेकर झोलाछाप फरार

संभल/कैला देवी, अमृत विचार :

कैलादेवी थाना क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी झोलाछाप के साथ फरार हो गई। पिता ने थाने पर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी झोलाछाप के पास पड़ोसी गांव की किशोरी कुछ समय पहले दवा लेने गई थी। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। करीब एक माह पूर्व किशोरी के पास एक मोबाइल फोन पकड़ा गया था, जिसे उसके पिता ने तोड़ दिया और इसके बाद वह उस पर नजर रखने लगे थे। शुक्रवार की सुबह झोलाछाप किशोरी को भगा ले गया। परिजनों ने दिनभर उसकी तलाश की, लेकिन शाम तक कोई सुराग नहीं लग सका। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगाई गई है।

झूठे मुकदमे दर्ज करा वसूली में मां-बेटी समेत पांच पर केस

संवाददाता,भोजपुर

● महिलाओं ने पीड़ित के दो पोतों पर दर्ज कराई है रिपोर्ट

अमृत विचार : पुलिस ने तीन महिलाओं समेत पांच लोगों के खिलाफ बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाकर वसूली करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

तहरीर में गांव पीपलसाना के ग्रामीण मतलूब ने बताया है कि पड़ोसी महिला रंगदारी और वसूली करने के लिए अपनी मां, भाभी एवं दो भाइयों के साथ मिलकर गिरोह बनाए हैं। ये लोग किशारों और युवकों को जाल में फंसाकर बलात्कार एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में झूठे मुकदमे दर्ज कराकर फैसला करने के नाम पर रुपए वसूल करते हैं। आरोपी महिलाओं ने उसके पोतों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए भोजपुर थाने में तहरीर दी थी। जांच में आरोप झूठे पाये जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। महिलाओं ने दबाव बनाने के लिए पिछले दिनों मुख्यमंत्री के आगमन पर सर्किट हाउस के गेट पर जमकर उत्पात मचाया था। मजबूरन पुलिस ने मेरे पोतों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और एक पाते को जेल भेज दिया। पोते के जेल जाने पर आरोपियों ने मेरे दरबाजे पर डांस कर जश्न मनाया था। अपनी इज्जत बचाने के लिए आरोपियों को 65 हजार रुपए दे चुका हूं। 28 दिसंबर को आरोपियों ने दस लाख रुपए की मांग की। असमर्थता जताने पर आरोपी पूरे कुनबे के खिलाफ बलात्कार के झूठे मुकदमे लिखाने और जान से मरवाने की धमकी दी है। पुलिस ने मां बेटी समेत पांच के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कानूनगो पर महिला कर्मचारी से मारपीट का आरोप

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : चकबंदी कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मी ने कहा कि 2 जनवरी को सुबह लगभग 11 बजे वह अपने कार्यालय में थी, तभी कानूनगो शराब के नशे में पहुंचा। जबरदस्ती मिठाई खिलाने की कोशिश की और अश्लील बातें कीं। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माना और नौकरी से हटाने की धमकी देता रहा। पीड़िता का कहना है कि आरोपी पूर्व में भी कई बार उसके साथ अभद्र हरकत कर चुका है । महिला द्वारा पीआर पुलिस को सूचना दी जिस पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस कानून गो को अपने साथ ले गयी । पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कानूनगो के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

शीतलहर से नहीं मिल रही राहत, ठिठुरे लोग

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

कुंदरकी में शीतललहर में अलाव तापते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कड़ाके की ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। गुरुवार को नववर्ष की शुरुआत से ही घना कोहरा छाए रहने के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। गुरुवार की 8:00 बजे हल्की वर्षा से और अधिक ठंड बढ़ गई । गुरुवार व शुक्रवार को पूरे दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए । शुक्रवार की शाम पांच बजे से ही सड़कों पर घना कोहरा छा जाने के कारण लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गए। कोहरे के चलते दृश्यता बेहद कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ठाकुरद्वारा-स्योहारा मार्ग पर वाहन चालक दिन में ही लाइट जलाकर बेहद धीमी गति से निकले। बाजारों और चौराहों पर अलाव के आसपास लोगों की भीड़ लगी रही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा प्रभारी डॉ. शिल्पी चौधरी ने लोगों से ठंड से बचाव के लिए ऊनी वस्त्र पहनने, गर्म और गुनगुना पानी पीने तथा अत्यधिक ठंड में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सर्द मौसम में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

ठंड ने बुजुर्गों-बच्चों को परेशान किया

कुंदरकी, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड ने शुक्रवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। पछुआ हवाओं ने शीत लहर को और तेज कर दिया, जिससे बाजार सूने पड़े और लोग अलाव तापते नजर आए। सूरज दिनभर छिपे रहे। सिर्फ जरूरी कामों के लिए ही लोग बाहर हुए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ सौरभ बरतरिया ने कहा कि बुजुर्ग, बच्चे और मरीज सबसे ज्यादा खतरे में हैं। गर्म कपड़े पहनें, गुनगुना पानी पीएं, पौष्टिक भोजन लें और सर्दी-खांसी होने पर फौरन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर डॉक्टर से मिलें।

कड़ाके की ठंड छुड़ा रही कंपकपी

कांठ, अमृत विचार : पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी ने मैदानी क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप को बढ़ा दिया है। घना कोहरा छाने के साथ शीतलहर से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। कड़ाके की ठंड शरीर को सुन्न कर रही है। इस समय ठंड से दिल, दिमाग, सांस, शुगर आदि मरीजों को अधिक सावधानी बरतनी पड़ रही है। शुक्रवार को पूरे दिन सूरज के दर्शन नहीं हुए। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जलाकर तापते हुए नजर आए। जरूरी काम के लिए ही लोग बाहर निकलते नजर आए। बाजारों में भी ठंड का असर दिखाई दिया। व्यापारी अपने खर्चे से अलाव जलाकर शीत के प्रकोप से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

कॉलेज कमेटी के सदस्यों ने दी 19 से भूख हड़ताल की चेतावनी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

बैठक में जनता इंटर कॉलेज कमेटी के सदस्य। ● अमृत विचार

● जनता इंटर कॉलेज कमेटी के आजीवन सदस्यों ने की बैठक

अमृत विचार : जनता इंटर कॉलेज गोपीवाला के आजीवन सदस्य मनोज कुमार के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया। 5 जनवरी से प्रस्तावित भूख हड़ताल को स्थगित करते हुए अब 19 जनवरी से एसडीएम कार्यालय पर भूख हड़ताल की रणनीति तैयार की गई।

सदस्यों ने आरोप लगाया कि 2012 से 2024 तक कृषि योग्य भूमि से प्राप्त आय का दुरुपयोग किया गया है, जिसे गबन की श्रेणी में दर्शाया जाना चाहिए। संयुक्त शिक्षा निदेशक की जांच में धन एवं प्रशासनिक योजना से संबंधित गंभीर अनियमितताएं पाए जाने तथा धन के दुरुपयोग की पुष्टि होने का भी उल्लेख किया गया। मांग की गई कि प्रबंधक के खाते से धन निकासी पर रोक लगाई जाए।

इसके अलावा नियमों के विरुद्ध की गई पदोन्नति को निरस्त करने, आजीवन सदस्य जसवंत सिंह को कथित रूप से धमकाने वाले जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रधान लिपिक के स्थानांतरण की भी मांग उठाई गई।सात बार आईजीआरएस पर दर्ज शिकायतों को निराधार बताने और आरटीआई के माध्यम से भी जांच आख्या उपलब्ध न कराने वाले जिला विद्यालय निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग की।

बैठक में जसवंत सिंह, युवराज सिंह, योगेंद्र सिंह, विजयपाल सिंह, मेघराज सिंह, ओम प्रकाश सिंह, हरकेश सिंह, खेमचंद शर्मा सहित कई आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

यात्री शेड पर चाट पकौड़ी वालों ने किया कब्जा

कांठ, अमृत विचार : सपा सांसद रुचि वीरा ने लाखों रुपए की लागत से यात्री शेड का निर्माण कराया है। कांठ - मुरादाबाद राज्य मार्ग पर शेरवा चौराहे पर बने यात्री शेड में इस समय फल एवं चाट पकौड़ी बेचने वालों ने कब्जा कर रखा है जिसकी वजह से राहगीर सड़क पर खड़े होकर वाहनों का इंतजार करने को मजबूर हैं।

यात्री शेड में कब्जा करने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई न होना चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र की समाजवादी पार्टी की संसद रुचि वीरा ने बस की प्रतीक्षा करने वाले यात्रियों के लिए लाखों रुपए की लागत से अनेक स्थानों पर यात्री शेड का निर्माण कराया है । अगवानपुर के पास शेरवा चौराहे पर बने यात्री शेड में इस समय चाट पकौड़ी एवं फल बेचने वालों ने पूरी तरह कब्जा कर रखा है। यात्री शेड के पास पुलिस वालों की भी तैनाती है । यात्री शेड पर कब्जा करना चर्चा का विषय बना हुआ है।

न्यूज डायरी

गन्ने के ओवरलोड ट्रकों से लग रहा जाम

कांठ, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में गन्ना खरीद केंद्रों पर से गन्ने के ओवरलोड ट्रक भर कर चलते हैं जिससे रसूलपुर क्रॉसिंग और मुख्तियारपुर नवादा क्रॉसिंग के आगे कांठ में ओवरलोड ट्रक जाम लगा देते हैं, जिसके कारण मुरादाबाद-हरिद्वार हाईवे पर जाम लग जाता है और वाहन तथा यात्रियों का निकलना दूभर हो जाता है। गन्ने से भरे ओवरलोड ट्रकों की लाइन लग जाने से कई बार अधिकारियों की गाड़ियां जाम में फंसी तो पुलिस ने ओवरलोड वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही भी की थी। इसके अलावा रोडवेज बस भी पुराने रोडवेज बस अड्डे पर आकर खड़ी हो जाती हैं। यह भी जाम का मुख्य कारण है क्योंकि नए रोडवेज बस अड्डे पर बस कम ही रुकती हैं। इन रोडवेज बसों के खिलाफ कई बार पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्रवाई की परंतु इन पर कोई असर नहीं पड़ता है। क्षेत्रवासी प्रीतम सिंह वीर सिंह सतबीर सिंह हरपाल सिंह आदि ने ओवरलोड गन्ने से भरे ट्रकों एवं रोडवेज बसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

समाजसेवी फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड को देखते हुए समाजसेवी फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को ग्राम रामपुर घोघर में वहापुर , बलिया के निर्धन व जरूरतमंद लोगों को कंबलों का वितरण किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष संजीव चौहान ने कहा कि ठंड के इस मौसम में गरीब और असहाय लोगों की मदद करना सभी का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे भी जरूरतमंदों को कंबल एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।टीम में राजेन्द्र चौहान, जावेद चौहान, आदित्य चौहान, अंकित, धर्मपाल सिंह, भूपेंद्र चौहान सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

अवैध ई रिक्शा व ऑटो स्टैंड बढ़ा रहे मुसीबत

कांठ, अमृत विचार : छजलैट से ऊमरी चौराहे पर अवैध रूप से ई रिक्शा व ऑटो के अनेक स्टैंड बने हुई हैं, जिस कारण नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छजलैट चौक पर तीनों दिशाओं से हाईवे पर यातायात व्यस्त होने के कारण व्यवस्था बिगड़ी हुई है। यहीं पर ई रिक्शा ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा चालकों ने अवैध रूप से स्टैंड बना रखा है जहां से वह सवारी भरते हैं। यहां पर तैनात मुंशी ई रिक्शा चालकों से महीना वसूलते हैं। अनेक ई रिक्शा बिना लाइसेंस के चल रही हैं। यहां ई रिक्शा व ऑटो स्टैंड होने से चौक पर जाम जैसी स्थिति हो जाती है। अवैध ई- रिक्शा स्टैंड के कारण यहां दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

बंदर और पशु बर्बाद कर रहे धान

कांठ, अमृत विचार : मंडी समिति में धान की खरीदारी की गई थी। लगभग चार माह से धान गोदाम के बाहर पड़ा हुआ है जिसको बंदर व पशु बर्बाद कर रहे हैं। अधिकारियों की लापरवाही के कारण सरकार को लाखों का चूना लग रहा है। मंडी समिति में तीन धान क्रय केंद्र स्थापित किए गए थे जिन पर क्षेत्र के किसानों से धान की फसल बिक्री की थी लेकिन मंडी समिति के पास गोदाम जर्जर स्थिति में होने और जगह कम होने के कारण लगभग चार माह से काफ मात्रा में धान गोदाम के बाहर पड़ा हुआ है। मौसम काफी समय से खराब चल रहा है और बोरियों में रखे धान बंदर व पशु बर्बाद कर रहे हैं। कुत्ते मल मूत्र करके चले जाते हैं। अधिकारियों की लापरवाही के कारण धान की बर्बादी हो रही है। इसके संदर्भ में अधिकारियों से फोन करके स्थिति को जानना भी चाहा तो वह फोन नहीं उठाते हैं। नगर मंडी समिति के प्रभारी राघवेंद्र सिंह से कई बार संपर्क करना चाहा लेकिन उन्होंने भी फोन नहीं उठाया।

कई साल से रैन बसेरा में नहीं आया एक भी व्यक्ति

कांठ, अमृत विचार : ठंड से बेसहारा लोगों को बचाने के लिए कांठ नगर पंचायत कार्यालय में बनाए गए रैन बसेरे में कई साल से एक भी व्यक्ति की एंट्री नहीं हुई है। जबकि आठ बेड का रैन बसेरा (चार महिला और चार पुरुष) सभी सुविधाओं से पूर्ण है।

लिहाफ़, गद्दे, चादर, कंबल, आदि के साथ ही रूम हीटर भी उपलब्ध है। अधिशासी अधिकारी रामेश्वर दयाल ने बताया कि बेसहारा लोगों को ठंड से बचाने के लिए आठ बैड का रैन बसेरा तैयार कराया गया है। यदि आवश्यकता पड़ी तो इसे बढ़ाया भी जाएगा। रैन बसेरे में एक भी बेसहारा व्यक्ति की एंट्री नहीं होना आश्चर्य का विषय है।

कांग्रेसियों से पार्टी की मजबूती का आह्वान

संवाददाता, कांठ

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

● बैठक में समाजसेवियों को किया गया सम्मानित

अमृत विचार : कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में पार्टी को मजबूत बनाने पर बल दिया गया। समाजसेवियों और पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

नगर के टिड्डा वाला में कार्यकर्ताओं की बैठक मास्टर परम सिंह की अध्यक्षता में की गई। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष डॉ सिराजुद्दीन अंसारी ने कहा कि देशवासियों ने कांग्रेस के कार्यकाल और अन्य दलों के कार्यकाल को भी देखा और परखा है। उनकी पार्टी धर्म, जाति आदि से दूर हटकर केवल विकास कार्यों में विश्वास रखती है। शरीफ अहमद आजाद ने कहा कि भाजपा कार्यकाल में महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी है। कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके कार्यकाल में देश और प्रदेश की तरक्की, खुशहाली और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को मिला है।

नगर अध्यक्ष विनीत चौहान ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी चुनाव में तन, मन, धन से जुट जाने का आह्वान किया। इस मौके पर सभी ने नव वर्ष 2026 की एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। बैठक में मास्टर परम सिंह, मुनव्वर चौधरी, अरहत खां, विनीत चौहान, अर्जुन सिंह सोमवीर सिंह, जफर अली, तारिक रियाज, हकीम अली अहमद आदि ने विचार व्यक्त किये।समाजसेवियों और पत्रकारों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। संचालन सीपी सिंह ने किया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना
मेरा हाईस्कूल मार्कशीट व सनद अनुक्रमांक 0879224 वर्ष 2010 व इंटर मार्कशीट व सनद अनुक्रमांक 0644975 वर्ष 2012 बी.ए. फाइनल वर्ष अनुक्रमांक 6314050119 वर्ष 2015 वास्तव में खो गये है। ज्योति रानी पुत्री गबडू सिंह भूवरा मसवासी रामपुर।

आवश्यकता है
अहिल्याबाई होल्कर कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी
अस्लेमपुर, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद
में निम्नलिखित प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की
प्राचार्य हेतु – 01 पद
बी.ए. कक्षा हेतु।
हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान, उर्दू विषयो हेतु एक-एक पद।
बी.एस.सी. कक्षा हेतु
भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान विषयों हेतु 2-2 पद।
वाणिज्य कक्षा हेतु 03 पद।
सम्पर्क सूत्र
6395453694
8449839090

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

18 वर्षीय युवती लापता, गुमशुदगी दर्ज

रामपुर, अमृत विचार : स्वार थाना क्षेत्र के हडपुरा गांव से 18 वर्षीय युवती आशिया छह दिन से लापता है। युवती के पिता इश्हाक ने स्वार कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। परिजनों ने बताया कि आशिया 26 दिसंबर को शाम करीब 4 बजे परिवार में हुई मामूली बात से नाराज होकर घर से चली गई। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। 1 जनवरी को थाना स्वार में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। युवती के पिता ने बताया कि आशिया मानसिक रूप से अस्वस्थ है। स्वार कोतवाल प्रदीप मलिक ने बताया कि युवती की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। पुलिस तलाश के लिए प्रयास कर रही है।

पटवाई में निषाद पार्टी ने गरीबों को बांटे कंबल

रामपुर, अमृत विचार : निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिशंकर कश्यप ने पटवाई के ग्राम पंचायत हरियाल में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष मोनू कश्यप ने सहयोग किया। सूचना मिलने पर ग्राम पंचायत हरियल और आसपास के जरूरतमंद लोग मौके पर पहुंचे और कंबल प्राप्त किए। हरिशंकर कश्यप ने बताया कि उनकी पार्टी प्रतिवर्ष गरीब और लोगों को कंबल वितरित करती है।

जो बोले सो निहाल और सत श्री अकाल से गूंजी फिजा

धूमधाम से मनाया गुरु गोविंद सिंह का 359वां प्रकाशोत्सव, लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर किया कीर्तन का स्वागत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : साहिब-ए-कमाल गुरु गोविंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव पर शुक्रवार को शहर के तोपखाना रोड स्थित गुरुद्वारा शास्त्री नगर से गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंच प्यारों की रहनुमाई में भव्य नगर कीर्तन निकला। जो बोले सो निहाल, सतश्री अकाल के नारों से फिजा गूंज उठी।

नगर कीर्तन में बैंड, भांगड़ा और गतका पार्टी के अलावा तलवार बाजी के करतब देख लोग हैरान रह गए। नगर कीर्तन देर रात सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार पहुंचा। गुरुद्वारा शास्त्री नगर से नगर कीर्तन दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुआ। नगर कीर्तन में सेवादार सड़कों की धुलाई और झाड़ू की सेवा करते चले। इसके बाद हाथों में तलवार थामे पंच प्यारे और गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी थी। इसके पीछे महिलाओं की संगत शबद कीर्तन करती चलीं। बैंड पर भी शबद कीर्तन की धुन बजती रही।

नगर कीर्तन में शामिल पंज निशानची का जत्था। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में शामिल सिख संगत। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में शामिल गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन तोपखाना रोड, मछली बाजार, फर्राश खाना, हामिद गेट, सराफा बाजार, पुरानी तहसील, बाजार नसरुल्लाह खां, हाथीखाना, शाहबाद गेट, राहे मुर्तजा, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद, गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा से होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार पहुंचा। प्रधान सरदार गुरजीत सिंह आहूजा ने बताया कि नगर कीर्तन में सभी धर्मों के लोग शामिल रहे। नगर कीर्तन पर जगह-जगह मुस्लिमों ने पुष्प वर्षा की। नगर कीर्तन का बन्नू बिरादरी ने फराशखाना और किला गेट के सामने स्वागत किया। इसके बाद नगर कीर्तन सर्राफा बाजार में पहुंचा तो सर्राफा कमेटी नगर कीर्तन का स्वागत किया। नगर पालिका परिषद के सामने स्थित गुरुद्वारा कलघीधर खालसा मोहल्ला हाथीखाना पर नगर कीर्तन का ठहराव रहा। गुरुद्वारे में संगत ने लंगर ग्रहण किया। नगर कीर्तन में प्रधान गुरजीत सिंह आहूजा, जगजीत सिंह, हरपाल सिंह, नरेंद्र पाल सिंह लकी, कपेंद्र सिंह, हरमीत सिंह, कंवलजीत सिंह चितकारा, दर्शन सिंह खुराना, सतेंद्र सिंह आहूजा, त्रिलोचन सिंह, अवतार सिंह, निर्मल सिंह, मनमीत सिंह ओबराय, गुरविंद्र सिंह, तनप्रीत सिंह, बलजीत सिंह, मनदीप सिंह, अमृतपाल सिंह, महेंद्र सिंह, मनजीत सिंह माटा, महेंद्र सिंह गोल्डी, राधेश्याम अरोरा, गुलशन अरोड़ा आदि लोग शामिल रहे।

नगर कीर्तन में करतब दिखाता युवा। ● अमृत विचार

शबद कीर्तन से संगत हुई निहाल : नगर कीर्तन में शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई। वाद्ययंत्र लिए संगीतकार टाटा मैजिक में बैठे थे जबकि, महिला रागी जत्था शबद कीर्तन कर रहा था। पुरुष रागी जत्थे द्वारा शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई। गले में ढोल और हाथों में मझीरा लेकर महिलाओं ने शबद कीर्तन से संगत को निहला किया। शबद कीर्तन के सुर के साथ आर्केस्ट्रा के संगीत की धुन से लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे।

गुरुद्वारों समेत शहर की सजी सड़कें : श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 355वें प्रकाश दिवस के अवसर गुरुद्वारों और शहर की सड़कों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। सिविल लाइन क्षेत्र में हाईवे के दोनों ओर रंग-बिरंगी लाइटें जगमग करती रहीं।

सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त, किया रूट डायवर्जन

रामपुर, अमृत विचार : नगर कीर्तन की सुरक्षा के लिए कड़े बंदोबस्त किए गए थे। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था। पुलिस ने रूट डायवर्जन कर दिया था। शास्त्री नगर से नगर कीर्तन शुरू होने के बाद बापू माल की ओर को आने वाले ट्रैफिक को मिस्टन गंज से पास कराया। चाकू बाजार पहुंचने पर रूट को बैजनाथ गली और चूने वाले फाटक से पास कराया गया। नगर कीर्तन के बाजार नसरुल्लाह खां पहुंचने पर ट्रैफिक को शाहबाद गेट से बरेली गेट और माला रोड से पास कराया गया। शाहबाद गेट के बाद टू लेन में एक लेन पर नगर कीर्तन आगे बढ़ता रहा जबकि, दूसरी लेन पर ट्रैफिक की आवाजाही होती रही।

नाम है मेरा अली, नाम से पहले मैं था

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला कलकत्ता स्थित मस्जिद मुकाबिर उल मोमनीन में गुरुवार रात हजरत अली की यौमे पैदाइश पर हुए जश्ने मौलूदे काबा में शायरों ने मौला अली की शान में कलाम पेश किए और खूब वाह-वाही पाई। इस मौके पर मौलाना सैयद अली मोहम्मद नकवी ने कहा कि मौला अली की पैदाइश काबे में हुई।

उन्होंने कहा कि नबी ए करीम मोहम्मद मुस्तफा के हाथों में पहुंचकर अपनी आंखें खोलीं। मौला अली की यौमे पैदाइश पर मस्जिद को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। शहजादा गुलरेज अपने इस कलाम पर खूब वाहवाही पाई। उन्होंने कहा- नाम है मेरा अली, नाम से पहले मैं था, नूर की शक्ल में पहले मैं था, उनकी तखलीक के हर काम से पहले मैं था। मैंने तखलीक किया है यह निजामें

जश्ने मौलूदे काबा में कलाम पेश करते मुंतजिर अब्बास। ● अमृत विचार

● जश्ने मौलूदे काबा में शायरों ने पेश किए कलाम

शम्सी, कुन फयाकुन से पहले मैं था। मुंतजिर अब्बास नकवी, अब्बास हैदर, सैयद हसन रिजवी आदि ने कलाम पेश किए। इसके बाद मौलाना सैयद अली मोहम्मद नकवी ने तकरीर में कहा कि मौला अली का नाम इस्मे आजम है। अली का नाम लेकर गिरते हुए भी संभल जाते हैं। इस मौके पर कमल रिजवी, बाबर हुसैन, सैयद मोहम्मद अली जैदी, तनवीर मोहसिन, आमिर हुसैन, इरफान जैदी, फैसल रिजवी, मौलाना मूसा रजा, शबाब हुसैन, जैन जैदी, इरफान रिजवी आदि मौजूद रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी गति से जिलाधिकारी नाराज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शुक्रवार को विकास भवन सभागार में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के साथ जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। शाहबाद व सैदनगर के एमओआईसी की लापरवाही पर 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि जिले में शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनाए जाएं। समीक्षा के दौरान वर्तमान में लगभग 1.87 लाख आयुष्मान कार्ड बने हैं। जिसे गंभीरता से लेते हुए आगामी एक माह के भीतर लक्ष्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन न्यूनतम 5 हजार आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं।

बैठक में मौजूद डीएम, एसडीओ व सीएमओ और अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएं। समीक्षा के दौरान शाहबाद क्षेत्र में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न पाए जाने पर संबंधित एमओआईसी की लापरवाही पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी का 15 दिवस का वेतन काटते हुए उन्हें मुख्यालय से सम्बद्ध किया जाए। इसी प्रकार सैदनगर क्षेत्र में भी अपेक्षित प्रगति न होने पर एमओआईसी

● प्रतिदिन न्यूनतम 5 हजार आयुष्मान कार्ड बनाने के दिए निर्देश

के 15 दिवस के वेतन कटौती के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि आशा कार्यकत्रियों एवं कोटेदारों के सहयोग से छूटे हुए पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उनका आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बनाया जाए। प्रत्येक विकास खंड में कम से कम दो-दो आशा कार्यकत्रियों को विशेष रूप से इस कार्य के लिए नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही, उदासीनता अथवा शिथिलता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह सहित अन्य चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

जनता दर्शन में हुई कार्रवाई, पीड़ितों को मिली राहत

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के जनता दर्शन में तहसील मिलक के ग्राम कमोरा निवासी निर्मल सिंह द्वारा अपनी पुत्री के साथ हुई दुर्घटना की शिकायत पत्र दिया। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री छत पर खेलते समय 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आकर झुलस गई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल अधीक्षण अभियंता विद्युत सत्येन्द्र चौहान को तलब कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा देने के निर्देश दिए। वहीं विगत दिनों जनता दर्शन के दौरान संतोष कुमार व उनकी पत्नी नंदरानी निवासी धमोरा मिलक द्वारा उपचार के लिए आयुष्मान कार्ड न होने की समस्या बताई थी। जिसपर जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था, जिसके परिणामस्वरूप उनका आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा उन्हें आयुष्मान कार्ड एवं कड़ाके की ठंड को देखते हुए दंपति को कंबल दिया। जनता दर्शन में प्रतिदिन दूर-दराज से आने वाले नागरिकों द्वारा राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं आती हैं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रकरण का संवेदनशीलता एवं गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिए 14 तक करें आवेदन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत शिक्षण संस्थाओं को मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिए आवेदन करें। सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्गों के उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा 14 जनवरी तक आनलाइन आवेदन कर दें। शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रेत्तर प्रक्रियात्मक कार्यवाई किए जाने के लिए समय सारणी जारी की गई है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि विश्वविद्यालयों द्वारा फीस का सत्यापन 9 जनवरी 2026 तक कर दें। छात्र आनलाइन आवेदन 14 जनवरी तक कर दें। 17 जनवरी तक छात्रों द्वारा फाइनल प्रिंट आउट निकाल लें। 31 जनवरी तक छात्र-छात्राओं द्वारा हार्ड कापी मांगे गए संलग्कों सहित शिक्षण संस्थाओं में जमा किया जाना है। इससे पहले 21 जनवरी तक शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना है। 27 जनवरी तक त्रुटिपूर्ण आवेदनों को छात्रों के स्तर से सही करना होगा। 10 फरवरी से 13 फरवरी तक एवं 18 फरवरी तक छात्रों द्वारा सही किए गए आवेदनों को जमा करना एवं संस्थाओं द्वारा पुनः अग्रसारित किया जायेगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि सभी शिक्षण संस्थाएं समय सारणी के अनुसार संस्था से सम्बन्धित पात्र छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत आवेदन करें।

डिजिटल क्रॉप सर्वे होगा, फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करें

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्री व डिजीटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि 5 जनवरी से डिजिटल क्रॉप सर्वे शुरू होगा। जबकि कृषि विभाग फार्मर रजिस्ट्री जल्द पूर्ण करें।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जिले का फॉर्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य 2,45,154 है, जिसके सापेक्ष 1,93,797 की पूर्ति हो चुकी है। जो कि लक्ष्य का 79.05 प्रतिशत है और प्रदेश में जनपद का 5वें स्थान पर है। जिले में अभी 51,357 फार्मर रजिस्ट्री शेष है। तहसीलवार समीक्षा के दौरान तहसील बिलासपुर में 85.15 प्रतिशत, स्वार में 83.94 प्रतिशत,

बैठक में शामिल विभागीय अधिकारी। ● अमृत विचार

मिलक में 82.82 प्रतिशत, टांडा में 79.50 प्रतिशत, शाहबाद में 78.74 प्रतिशत तथा सदर में 73.51 प्रतिशत प्रगति पाई गई। लक्ष्य अनुरूप फार्मर रजिस्ट्री का शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी श्री गुलाब चन्द्र ने बताया कि जनपद के 15 ग्रामों में फार्मर रजिस्ट्री से संतृप्त कराने के लिए अभियान चलाया गया था। सूची में अंकित डाटा के अनुसार पाया गया कि कई किसानों की मृत्यु हो गई है, कुछ ने अपनी भूमि बेच दी है, कुछ गांव से बाहर रहते हैं, कुछ मिल नहीं रहे हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को लेखपाल के माध्यम से एम्बर डाटा एवं रैड डाटा में अंकित शत-प्रतिशत किसानों का सर्वे का कार्य 9 जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निर्धारित प्रारूप पर अंकित सूची में किसान का विवरण दर्ज कराकर ग्राम वार सूची तैयार

● डीएम की अध्यक्षता में फॉर्मर रजिस्ट्री व डिजिटल क्रॉप सर्वे समीक्षा बैठक हुई

की जाए। प्रत्येक प्रकार के स्टेटस की सूची तैयार कराई जाए।

जिलाधिकारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद में 5 जनवरी 2026 से रबी फसलों डिजिटल क्राप सर्वे शुरू किया जा रहा है। उप कृषि निदेशक राम किशन ने फार्मर रजिस्ट्री में आ रही तकनीकी समस्याओं का समाधान करते हुए विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि जिन किसानों ने अभी तक फार्म रजिस्ट्री नहीं कराई है उन्हें पीएम किसान की आगामी किस्त नहीं मिलेगी।

डीएम ने वृद्धाश्रम में मनाया नववर्ष उत्सव

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● बुजुर्गों ने काटा केक, डीएम ने साथ में किया भोजन

अमृत विचार : नववर्ष पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने जनपद के ताशका मझरा स्थित वृद्धाश्रम का भ्रमण कर वहां निवास कर रहे निराश्रित वृद्धजनों से भेंट की। जिलाधिकारी ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए वृद्धजनों को कंबल ओढ़ाकर आशीर्वाद लिया।

जिलाधिकारी ने वृद्धजनों से संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने न केवल बुजुर्गों के साथ समय बिताया, बल्कि उनकी थालियों में स्वयं भोजन परोसते हुए साथ में भोजन भी किया। नववर्ष के अवसर पर जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ केक काटकर नववर्ष का स्वागत किया। जिलाधिकारी ने कहा कि उनकी देखभाल करना शासन एवं समाज दोनों की नैतिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल, दवाइयों की उपलब्धता एवं सुरक्षा प्रबंधों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों व आश्रम प्रबंधन को निर्देश दिए कि वृद्धजनों को समय समय पर पौष्टिक भोजन, आवश्यक दवाइयां एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। इस दौरान समाज कल्याण अधिकारी ने सूरज कुमारी ने भी बुजुर्गों को शॉल भी ओढाया।

मौसम | साल के दूसरे दिन सर्दी से बेहाल हुए लोग

शीतलहर से बढ़ती जा रही ठिठुरन, लुढ़का पारा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : साल के दूसरे दिन शीत लहर चलने से पारा लुढ़क गया जिसके कारण ठिठुरन बढ़ गई। पूरे दिन कोहरा छाया रहा और सड़कों पर वाहन चालक हेड लाइट जलाकर वाहन चलाते रहे। अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से सर्दी बढ़ गई है।

सर्दी का सितम दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। सुबह से घना कोहरा छाया रहा जिस के कारण बाजारों में लोगों की आवाजाही कम रही। सर्दी से बचने को लोगों ने जगह-जगह अलाव जलाकर सर्दी से बचने को हाथ सेंके। दोपहर बाद सूरज और बादलों के बीच आंख मिचौली होती रही। तीन दिन से कोहरे का सितम जारी है। तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 14 डिग्री

घने कोहरे के बीच लाइट जलाकर जाता बाइक सवार। ● अमृत विचार

● सड़कों पर फॉग लाइट जलाकर रेंगते रहे वाहन

3 दिन तक शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। शीतलहर की तीव्रता अगले 2 दिन ज्यादा रहने की संभावना है।

– डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय मेरठ

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	14 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	9 डिग्री से.
आद्रता	77 प्रतिशत
वायु वेग	10 किमी. प्रति घंटा

सेल्सियस दर्ज किया गया। कोहरे की चादर ने सड़कों को अपनी आगोश में ले रखा है जिससे वाहनों की रफ्तार सुस्त रही। सुबह से शाम तक कोहरा छाया रहा और शीतलहर चलती रही। पहाड़ों पर बर्फबारी होने से मैदानी क्षेत्रों में सर्दी का सितम बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने तीन दिन में सर्दी और बढ़ने का अनुमान जताया गया है। कोहरा होने के कारण हाईवे पर वाहन धीमी रफ्तार से चले। शाम ढले लोगों ने घरों की राह पकड़ी जिससे बाजारों में सन्नाटा पसर गया। ज्यादा दिक्कत उन हजारों किसानों को उठानी पड़ी जो कोहरे में गन्ना कटाई करने खेतों पर पहुंचे। कुछ बसों में टूटे शीशे होने के कारण यात्रियों का सर्दी से बुरा हाल हो गया। शाम होते ही सर्दी बढ़ने के कारण लोग घर में दुबक गए और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया।

कड़ाके की सर्दी में बरतें एहतियात हो सकते हैं बीमार

रामपुर, अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी में एहतियात बरतें लापरवाही बरतने पर बीमार हो सकते हैं। क्योंकि मौसम में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डा. डीके वर्मा बताते हैं कि अस्थमा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के अलावा हृदय रोग, त्वचा और श्वसन संक्रमण जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सर्दी में सामान्य वायरल हो जाता है जो नाक और गले को प्रभावित करता है, कभी-कभी कानों में सीटियां सी बजने लगती हैं। यह कुछ दिनों से लेकर कई सप्ताह तक रहता है। बताते हैं कि फ्लू मुंह, नाक, गले और फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह हल्का या गंभीर हो सकता है। यह बीमारी श्वसन तंत्र को प्रभावित करती है। बुखार पांच दिनों में इलाज हो जाता है, लेकिन खांसी और सामान्य थकान दो सप्ताह तक बनी रहती है। सर्दियों में स्कूल जाने वाले बच्चों में स्ट्रेप थ्रोट हो जाता है और इसमें आमतौर पर सर्दी या खांसी के लक्षण नहीं होते हैं। सर्दी में बच्चों को बचाकर रखें क्योंकि उन्हें निमोनिया हो सकता है।

समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के साथ आगे बढ़ाने का लक्ष्यः आजाद

रामपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को ज्वालानगर में मुरादाबाद मंडल प्रभारी राजेश खन्ना की अध्यक्षता में भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन की जिला समीक्षा बैठक हुई। पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की संस्तुति पर भीम प्रिया गौतम को जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी। बैठक में संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार आजाद ने जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन का कैडर दिया।

विजय कुमार आजाद ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज को शिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार और महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाना है। वहीं समाज को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक लड़ाई को दमदारी से लड़ना होगा इसके लिए समाज भीम आर्मी संगठन में जुड़कर सामाजिक लड़ाई लड़े तथा राजनीतिक लड़ाई बहुजन समाज पार्टी के साथ लड़े। वहीं उन्होंने आगामी निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव में अपने संगठन का पक्ष रखते हुए कहा कि हमारा संगठन निकाय चुनाव व विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्येक बूथ को मजबूत कर पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने का काम करेगा। संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की संस्तुति पर भीम प्रिया गौतम को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी। इस दौरान संगठन के सभी पदाधिकारी ने संगठन के मुखिया विजय विजय कुमार आजाद को सम्मानित किया। प्रदेश सचिव सतपाल सिंह बादल ने संगठन की ओर से हेल्पलाइन नंबर 9458001661 जारी किया। इस मीटिंग में जिला उपाध्यक्ष विपिन कुमार, जिला कोऑर्डिनेटर जगदीश कुमार की मौजूदगी में राजू गौतम, अशोक बाबू, राजेश कुमार, रघुवीर सिंह, नेम पाल सिंह, सुरेश कुमार, संजीव कुमार इत्यादि रहे।

फोटो 07 : ज्वालानगर में भीम आर्मी संगठन की बैठक में शामिल पदाधिकारी।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार, 3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बंदरों के झुंड ने मां-बेटी पर हमला किया

स्वार, अमृत विचार : मोहल्ला चक स्वार निवासी राजेश्वरी शर्मा अपनी बेटी अंकिता घर पर थे कि अचानक उन पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। जिसमें मां-बेटी बुरी तरह जख्मी हो गईं। परिजनों ने दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को एंटी रेबीज का टीका लगाकर उचित उपचार किया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि लंबे समय से बंदरों और खूंखार कुत्तों का आतंक बना हुआ है। आए दिन लोग बंदरों और कुत्तों के हमले का शिकार हो रहे हैं। जिससे बच्चों और महिलाओं में भय का माहौल है। शिकायतों के बावजूद नगर पालिका द्वारा बंदरों को पकड़वाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

चोरों ने सरकारी भूमि से काटे पेड़

मिलक, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के चंद्रपुरा जदीद के ग्राम प्रधान कौसर जहां ने कोतवाली में तहरीर दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि गांव स्थित सरकारी भूमि पर पौधरोपण अभियान के तहत नीम अर्जुन आदि के पौधे रोपे गए थे। जो अब पेड़ बन चुके थे। रात के किसी समय अज्ञात लोग पेड़ों को काटकर ले गए। इसकी सूचना हल्का लेखपाल को दी गई। लेकिन उनके द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद उन्हें अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देनी पड़ी।

बकाया जमा नहीं होने पर जमीन की हुई कुर्की

मिलक, अमृत विचार : उप जिलाधिकारी आनंद कुमार शुक्रवार को टीम के साथ क्षेत्र के गंगापुर कदीम गांव पहुंचे। गांव निवासी हनीफ पर 1,61,000 रुपये बकाया था। धनराशि जमा नहीं किए जाने पर उसकी साढ़े पांच बीघा खेती की जमीन कुर्क कर दी। भूमि पर उप जिलाधिकारी ने लाल झंडी लगा दी। इसके साथ ही उन्होंने बकायेदारों को सचेत करते हुए कहा कि सरकारी धनराशि समय से जमा नहीं की गई तो कुर्की का अभियान लगातार चलता रहेगा। गांव में इस दौरान बकायेदारों में हड़कंप मच गया। वसूली अभियान टीम में नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी और संग्रह अमीन देशराज सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर मार्ग पर ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

अज्ञात चालक पर मामला दर्ज, एक साल पहले हुई थी शादी

संवाददाता, टांडा

टांडा सीएचसी में हादसे के बाद लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाजपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मृतक इरशाद।

गुरुवार रात नौ बजे इरशाद (30) पुत्र बाबू निवासी ग्राम सेढू का मझरा टांडा बाइक से सुल्तानपुर पट्टी जिला ऊधमसिंहनगर उत्तराखंड से घर वापस आ रहा था। तभी टांडा से सटे गांव मोहनपुरा में वह शौच करने को रुका, इसी दौरान बाजपुर-दढ़ियाल की ओर से आ रहे ट्रक ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइड में खड़ी बाइक भी दूर जा गिरी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देख आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल की शिनाख्त कर परिजनों को सूचित किया। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार युवक की शादी 14 माह पहले हुई थी, वह बाइक से सुल्तानपुर पट्टी में किसी पोल्ट्री फार्म पर काम करने जाता था और रोजाना आना जाना करता था। गुरुवार को भी वह काम से घर वापसी कर रहा था तभी रास्ते में ये हादसा हो गया। मृतक तीन बहन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी, ट्रक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर लिया है।

मंगेतर के साथ रहने पर अड़ी युवती, कराया निकाह

स्वार, अमृत विचार : रिश्ता तय होने के दो वर्ष बाद युवती शुक्रवार को अपने मंगेतर के घर पहुंच गई और युवक से शादी कराने की जिद पर अड़ गई। जिससे युवक के घर हंगामा खड़ा हो गया। जिस पर परिजनों युवक को अहमदाबाद से बुलाकर दोनों का निकाह करा दिया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी युवक का रिश्ता करीब दो वर्ष पूर्व थाना पटवाई क्षेत्र के गांव की युवती से तय हुआ था। युवक अहमदाबाद में रहकर सिलाई का काम करता है। इसी दौरान युवक और युवती के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत होने लगी। समय के साथ दोनों की नजदीकियां बढ़ती गईं। युवती अचानक युवक के गांव पहुंचकर उससे निकाह कराने की जिद करने लगी। युवती के इस कदम से युवक के परिजन घबरा गए। परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ी रही। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए दोनों पक्षों के जिम्मेदार लोगों ने आपसी सहमति से युवक को अहमदाबाद से बुलाया। गुरुवार को गांव में ही दोनों का निकाह करा दिया गया। जिसके बाद मामला शांत हुआ। यह घटना नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर चर्चा का विषय बनी रही।

नेशनल हाइवे पर सफेद पट्टी करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

हादसों पर लगाम का प्रयास सड़कों पर बन रही सफेद पट्टी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रामपुर जिले में सड़क हादसों को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने तीन दिन पहले बैठक में निर्देश दिए थे। इसके बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर सुधार कार्य तेज कर दिया है।

जिलाधिकारी ने तीन दिन पहले सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एनएचएआई समेत अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी ने ब्लैक पॉइंट चिन्हित कर त्वरित सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर माल गोदाम तिराहे से पनवडिया चौराहे तक सफेद पट्टी (रोड मार्किंग) का कार्य किया गया। यह क्षेत्र पहले दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित था। सफेद पट्टी से वाहन चालकों को लेन की स्पष्ट जानकारी मिलेगी और रात में यात्रा सुरक्षित होगी। अधिकारियों के अनुसार, आगे डिवाइडर, रिफ्लेक्टर, संकेतक बोर्ड और अन्य सुरक्षा उपाय भी लगाए जाएंगे। जिन स्थानों पर दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहां तकनीकी सर्वेक्षण कराकर स्थायी समाधान निकाला जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समन्वय से कार्य करने और समयबद्ध ढंग से सुधार कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत बाजारों में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति केंद्र की टीमों व जनपद स्तरीय टीम द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना स्तरीय टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत बाजारों, शॉपिंग मॉल, पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090 (महिला शक्ति हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112, 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता तथा घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा इनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया। मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को पंपलेट, कॉमिक्स एवं जागरूकता सामग्री वितरित की गई।

गांधी समाधि के निकट बदहाल सड़क पर गरजी जेसीबी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

गांधी समाधि के निकट बदहाल सड़क पर गरजती जेसीबी। ● अमृत विचार

● अमृत विचार ने बदहाल सड़क की प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर

अमृत विचार : गांधी समाधि के निकट बदहाल सड़क पर जेसीबी गरजी। अब सड़क को उखाड़ कर नई सड़क पड़ेगी। टूटी सड़क के कारण कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। अमृत विचार ने बदहाल सड़क की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने सड़क को बनवाने के लिए काम शुरू करा दिया है।

गांधी समाधि और नवाब गेट के बीच सड़क बदहाल हो गई थी। सड़क की बदहाली पर पर्दा डालने के लिए बैरियर लगवा दिए गए थे। जिसके कारण राहे रजा से नवाब गेट की ओर मुड़ने पर मार्ग संकरा हो गया था। इसके अलावा गणतंत्र दिवस पर गांधी समाधि पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आवाजाही में लोगों की परेशानी को देखते हुए अमृत विचार ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद अधिकारी चेत गए हैं और सड़क निर्माण का काम शुरू हो गया है। नवाब गेट पर मोहम्मद फहीम ने बताया कि अमृत विचार में खबर छपने के बाद सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। माला रोड स्थित सैनी कालोनी के निवासी बुलाखी ने कहा कि गांधी समाधि के निकट सड़क टूटने से लोगों को परेशानी हो रही थी अब सड़क का निर्माण कार्य शुरू गया है। लोगों को आवाजाही में काफी राहत मिलेगी।

गांधी समाधि पर दुनियाभर से लोग पुष्प अर्पित करने आते हैं। गांधी समाधि के आसपास की सड़कें चकाचक होना चाहिए। लेकिन अधिकारी इस बात को नहीं समझते कि गांधी समाधि के पास सड़क खराब होने से दुनिया में क्या मैसेज जाएगा। – बाबू अली

सड़क खराब होने से वाहनों के पलटने का अंदेशा रहता है। गांधी समाधि के निकट नवाब गेट की ओर मुड़ने पर वाहन हिचकोले खाने लगता है कि वाहन पलटने वाला है। अमृत विचार में खबर छपने के बाद सड़क बनने लगी है। – आलिम खां

नवाब गेट की ओर आने वाली सड़क पर गांधी समाधि से मुड़ते ही सड़क खराब थी। लेकिन अमृत विचार में खबर छपने के बाद सड़क बनने का काम शुरू हो गया है। इससे लोगों को बहुत राहत मिलेगी। – रिजवान शाह खां

गांधी समाधि के निकट सड़क जगह-जगह से टूट गई थी। तेज रफ्तार बाइक के चलने से दुर्घटना का खतरा बना रहता था। लेकिन, अब सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो गया है लोगों को आवाजाही में राहत मिलेगी। – खुर्रम खां

जिले में मतदेय स्थलों की सूची प्रकाशित

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी व रिटर्निंग ऑफिसर अजय कुमार द्विवेदी ने संसदीय व विधानसभा क्षेत्र में स्थापित मतदेय स्थलों की सूची प्रकाशित की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 7 रामपुर समाविष्ट विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 34 स्वार में मतदान केंद्र 192 व मतदेय स्थल 380, 35 चमरौआ में मतदान केंद्र 210 व मतदेय स्थल 373, 36-बिलासपुर में मतदान केंद्र 268, मतदेय स्थल 432, 37 रामपुर में मतदान केंद्र 173 व मतदेय स्थल 473 , वहीं 38 मिलक (रिजर्व) में मतदान केंद्र 257 व मतदेय स्थल 456 सहित जनपद में कुल 1100 मतदान केंद्र व 2114 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए है। इससे पहले मतदेय स्थल 1826 थे, जो बढ़कर अब 2114 हो गए हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों की सूची जनसामान्य के अवलोकन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट Rampur.nic.in/deo-portal पर उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों व सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। नए मतदेय स्थलों की जानकारी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाए। जबकि निर्वाचन क्षेत्रों में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

राजकीय बालगृह में मौजूद वैश्य समाज रामपुर की सदस्य। ● अमृत विचार

वैश्य समाज ने बच्चों के साथ बांटीं खुशियां

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शुक्रवार को वैश्य समाज रामपुर की महिला सदस्यों ने पुराना गंज स्थित राजकीय बाल गृह में नववर्ष 2026 के आगमन पर कार्यक्रम किया। जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के चेहरे पर एक छोटी सी मुस्कान लाना था। बच्चों के पसंद का भोजन करवाया गया।

बच्चों को ड्राईफ्रूट्स के साथ हेल्दी फूड्स बच्चों को खिलाए। बच्चों में अपनत्व की भावना का संचार किया। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने बताया कि हम सभी को थोड़ा समय निकालकर बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। अपने बच्चों को लेकर आना चाहिए ताकि वे बच्चों को बेहतर तरीके से सीख मिल पाए। सभी स्टाफ को फुल माला पहनाकर स्वागत किया। बताया कि वैश्य समाज परिवार हमेशा सामाजिक कार्य करता रहता है और सामाजिक कार्य करने से जो आत्म संतुष्टि मिलती है। उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नवनीत गुप्ता, सीए संघ अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, महिला संगठन नीतू गुप्ता, प्रीती अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, प्रीती विपुल अग्रवाल, बीना भगत, रेणु, वंदना गुप्ता, शालिनी अग्रवाल, भास्कर अग्रवाल, मनोज गुप्ता, वर्षा वार्ष्णेय, वंदना गुप्ता, विपुल अग्रवाल आदि सदस्य मौजूद रहे।

फसल को पाले से बचाने के लिए करें हल्की सिंचाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● पौधों के अंदर का पानी जम जाने पर फट जाती हैं उनकी कोशिकाएं

अमृत विचार : कृषि वैज्ञानिक डॉ. विशाल गंगवार ने बताया कि मसूर,चना और गेहूं समेत टमाटर, बैंगन, आलू, फूलगोभी, मिर्च, धनिया, पालक को हल्की सिंचाई कर पाले से बचाया जा सकता है। सिंचाई से खेत के तापमान में 0.5 से 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक वृद्धि हो जाएगी। पाले में पौधों के अंदर का पानी जम जाने पर उनकी कोशिकाएं फट जाती हैं। किसान गंधक की डस्ट का छिड़काव करके भी पाले से फसलों को बचा सकते हैं।

पाला जनवरी के महीने में ज्यादा पड़ने की संभावना रहती है। पाले के प्रभाव से प्रमुख रूप से उद्यानिकी फसलें जैसे टमाटर, बैंगन, आलू, फूलगोभी, मिर्च, धनिया, पालक तथा फसलों में प्रमुख रूप से मसूर, चना और कुछ मात्रा में गेहूं आदि के प्रभावित होने की ज्यादा संभावना रहती है। विशेषकर जब यह फूल और फल की अवस्था में हों। पाला तब पड़ता है जब तापमान 4 डिग्री सेंटीग्रेड से कम होते हुए शून्य डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता है तब पाला पड़ता है। ऐसी अवस्था में तापमान को शून्य डिग्री से ऊपर बनाए रखना जरूरी हो जाता है। पाले की अवस्था में पौधों के अंदर का पानी जम जाने से तथा उसका आयतन बढ़ने से पौधों की कोशिकाएं फट जाती हैं। जिसके कारण पत्तियां झुलस जाती हैं और प्रकाश संश्लेषण की क्रिया प्रभावित होने से फसल में फल और फूल नहीं लगते और उपज प्रभावित होती है। तापमान कई बार शून्य डिग्री सेल्सियस या इससे भी कम हो जाता है। ऐसे में ओस की बूंदें पौधों पर जम जाती हैं जिसके कारण पौधों तथा उनकी फलियों और फूलों और पत्तों पर बर्फ जमा होने से ज्यादा नुकसान होता है। यदि पाला की यह अवस्था अधिक देर तक बनी रहे तो पौधे मर भी सकते हैं।

न्यूज डायरी

महिला बच्चों सहित फरार, ग्रामीण ने दी तहरीर

सैफनी, अमृत विचार : थाना सैफनी क्षेत्र गांव से एक महिला बच्चों सहित फरार हो गई। क्षेत्र के बेरुआ गांव निवासी सुखवीर पुत्र हुकमी ने थाने में तहरीर दीहै। उसने बताया कि करीब तीन माह पहले बिहार राज्य से एक महिला को ग्राम चंद्रपुर कलां से विवाह करके लाया था। इसके बदले उसने एक युवक को 50 हजार रुपये भी दिए थे। महिला के साथ उसके दो छोटे बच्चे भी थे, उनका पालन पोषण भी वह ही कर रहा था। पीड़ित का आरोप है कि गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे पूजा घर में रखे एक मोबाइल फोन, लगभग 10 हजार रुपये कीमत के नए कपड़े तथा 6 हजार रुपये नगद लेकर फरार हो गई। सुखवीर का आरोप है कि वहीं युवक महिला को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले में थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हार्ट अटैक से अधेड़ की मौत

शाहबाद, अमृत विचार : शाहबाद के मोहल्ला बेदान निवासी अय्यूब के सीने में तेज दर्द होने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। इस पर परिजन उन्हें सीएचसी लेकर पहुंचे। तबीयत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन अय्यूब को लेकर रामपुर के जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक अय्यूब अपने पीछे चार बेटे और दो बेटियां छोड़ गए है।

एसपी ने पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महिला आरक्षी प्रशिक्षुओं को प्रशस्ति पत्र सौंपा। निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद महिला प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों का टर्नआउट आदि चैक कर रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, म्यूजियम, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आरटीसी आदि की व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण किया। पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई आदि को चैक कर संबंधित को निर्देश दिए।

मदरसा पोर्टल पर 6 को लॉक हो जाएंगे आवेदन

रामपुर, अमृत विचार : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित 2026 की मुंशी, मौलवी, आलिम की बोर्ड परीक्षाओं के ऑनलाइन आवेदन मदरसा पोर्टल पर 6 जनवरी को लॉक कर दिया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा वर्ष 2026 के लिए परीक्षा केंद्रों का ऑन लाइन मदरसा पोर्टल पर परीक्षा केंद्रों का डाटा 15 जनवरी तक फीड किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा वर्ष 2026 की परीक्षा केंद्रों का डाटा फीड किए जाने के बाद परीक्षा केंद्रों पर सम्मिलित होने वाले मदरसों की ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर 8 जनवरी से 19 जनवरी तक मैपिंग की जाएगी। इसके अलावा मदरसा बोर्ड की परीक्षा 2026 में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक एवं डेस्क स्लिप 22 जनवरी तक जारी किए जाएंगे।

रामपुर पहुंचने पर भाजपा नेता नकवी का स्वागत किया

रामपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी के रामपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने पटका और बुके देकर उनका स्वागत किया। कोसी पुल पर उनके समर्थक पहले से ही मौजूद रहे। वो तीन दिवसीय रामपुर प्रवास पर रहेंगे। इसके बाद वो रुद्रपुर भाजपा नेता संतोष खैरा की बेटी की शादी में शामिल हुए। वहीं शनिवार को वो जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से वार्ता करेंगे। जबकि दोपहर 12 बजे गांधी समाधि स्थित संत शिरोमणि श्री रविदास सर्किट हाउस पर पत्रकार वार्ता करेंगे।

यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

दिल्ली रोड पर यातायात माह के दौरान बिना हेलमेट की बाइक चलाने वालों को नियमों की जानकारी देते यातायात जिला प्रभारी मिथिलेश कुमार सिंह। ● अमृत विचार

● 483 ई-चालान किए गए, सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के प्रति लोगों को सतर्क किया

अमृत विचार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शुक्रवार को यातायात पुलिस ने महानगर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर विशेष अभियान चलाया। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने तथा सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

शुक्रवार को यातायात जिला प्रभारी मिथलेश कुमार ने बताया कि अभियान के तहत कुल 550 लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कुल 483 ई-चालान काटे। अधिकारियों ने चौराहों पर हाईवे पर नियमों का उल्लंघन कर बाइक दौड़ा रहे बाइक सवारों को रोक कर उन्हें नियमों का पालन न करने की स्थिति में होने वाली जनहानि के बारे विस्तार से बताया और नियमों का पालन करने की अपील की। कहा कि वह अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की गई। यातायात पुलिस ने विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 149, बिना सीट बेल्ट 13, ओवर स्पीड में 29, ट्रिपल राइडिंग 10, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 46,नो-पार्किंग में 83, बिना इंश्योरेंस 20 चालान किए। जिला प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कुल 483 ई-चालान जारी किए। आमजन से अपील की गई कि वह अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।

मारपीट में पति-पत्नी सहित तीन घायल

कैला देवी, अमृत विचार: कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव कैलमुंडी में मारपीट का मामला सामने आया है। गांव निवासी नेकराम ने थाने में तहरीर देकर छत्रपाल और उसके दो बेटों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बुधवार को नेकराम अपने खेत में आवारा पशुओं से फसल बचाने के लिए चारों ओर रस्सी बांधकर बाड़ लगा रहा था। गांव के ही छत्रपाल से उसकी कहासुनी हो गई। इसके बाद जब नेकराम घर पहुंचा तो छत्रपाल बेटों संजीव और बृजेश के साथ उसके घर आ गया। विरोध करने पर तीनों ने नेकराम पर हमला कर दिया। मारपीट में नेकराम, उसकी बेटी उषा और भाई जगदीश घायल हो गए। पुलिस ने छत्रपाल और उसके दोनों बेटों संजीव व बृजेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक घायल

गजरौला, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इसमें बाइक सवार फैक्ट्री कर्मी घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। क्षेत्र के गांव रजबपुर निवासी फुरकान गजरौला की एक निजी फैक्ट्री में काम करता है। वह शुक्रवार की सुबह बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। गजरौला स्थित नेशनल हाईवे पर एक होटल के सामने बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिसमें बाइक सवार फुरकान घायल हो गया। सूचना मिलने पर घायल के परिवार वाले भी अस्पताल पहुंच गए थे। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टेंपो से गिरकर युवक गंभीर घायल

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गजरौला मार्ग पर रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहा युवक टेंपो से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। राहगीरों ने नगर के सीएचसी में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए घायल को हायर सेंटर किया रेफर।

कोई पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे

प्रधानमंत्री आवास को लेकर जिलाधिकारी ने निगरानी समिति की बैठक ली

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

बैठक में निर्देश देतीं डीएम निधि गुप्ता। ● अमृत विचार

राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करतीं डीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में डीएम निधि गुप्ता ने आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 के अन्तर्गत कराये गये सर्वे में चेकिंग के बाद प्राप्त डिलीशन माड्यूल के सम्बन्ध में चर्चा की।

बैठक में बताया गया कि जिले में 8266 परिवारों को सर्वे कराया गया है जिसमें से 3661 परिवार एक्सेप्टेट श्रेणी के तथा 4605 परिवार डिस्प्यूट श्रेणी के प्राप्त हुए हैं। सभी परिवारों का पुनः सत्यापन खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके उपरान्त अधिकारियों के माध्यम से भी रेंडम आधार पर वेरीफिकेशन एप्प के माध्यम से किया जायेगा। ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो ने सत्यापन का कार्य पूरी ईमानदारी के साथ करने की बात कही। बिजली कनेक्शन, शौचालय, राशन कार्ड मनरेगा मजदूरी आदि योजनाओं से भी लाभान्वित करने को कहा। डीएम ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसी भी दशा में कोई पात्र परिवार वंचित न रहे तथा कोई अपात्र सूची में सम्मिलित न हो। डीएम ने कहा कि सर्वेक्षण में ऐसी परिवार को चिन्हित करें जिनके घर नहीं है ऐसे परिवारों के विकास के लिए घर के साथ-साथ उन्हें राशन कार्ड, शौचालय, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत सिलेंडर, विद्युत कनेक्शन और पेंशन की उचित व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंदर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, परियोजना निदेशक अमरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

अमरोहा, अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान(एसआईआर) को लेकर डीएम निधि गुप्ता ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने बताया कि 6 जनवरी को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा। 6 फरवरी तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। जबकि मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन06 मार्च 2026 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में आयोग के निर्देशानुसार 3 जनवरी को सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने से संबंधित मतदेय स्थलपर मतदाताओं की सूची के साथ उपस्थित रहेंगे तथा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किये गये बूथ लेवल एजेण्ट्स के साथ बैठक करेंगे। बूथ लेवल अधिकारी सभी अर्ह मतदाताओं से फार्म-6 भी प्राप्त करेंगे। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि 3 जनवरी को उक्त बैठक में प्रतिभाग करने हेतु अपने सभी बूथ लेवल एजेण्ट्स को सूचित करें। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील बार एसोसिएशन कार्यकारिणी का चुनाव 5 को

संवाददाता, हसनपुर

● अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय एवं महासचिव पर आमने-सामने का मुकाबला

अमृत विचार : तहसील बार एसोसिएशन का कार्यकारिणी चुनाव में बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच होने के बाद अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पर चुनाव होना निश्चित हो गया है। वही बाकी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। अब अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय एवं महासचिव पद पर आमने-सामने का मुकाबला हो गया है।

5 जनवरी को तहसील प्रांगण स्थित बार भवन में मतदान होगा और उसी दिन दोपहर बाद मतगणना का कार्य पूर्ण कर पदाधिकारी की घोषणा की जाएगी। एल्डर कमेटी के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए मुजाहिद हुसैन, राजेंद्र सिंह एवं गजेंद्र सिंह के बीच मुकाबला होगा। महासचिव पद पर बृज किशोर एवं फतेह सिंह के बीच कांटे की टक्कर होती दिख रही है। कोषाध्यक्ष पद पर हितेश त्यागी, विक्रांत त्यागी एवं नंदराम सागर के बीच त्रिकोणीय संघर्ष होगा। सूत्रों की माने तो वही अधिवक्ताओं को रिझाने के लिए प्रत्याशियों द्वारा दावतों का दौर शुरू कर दिया गया है और इसी के साथ प्रत्याशी अपने समर्थकों को के साथ अधिवक्ताओं के घर-घर जाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। तहसील बार एसोसिएशन के चुनाव के चलते इस शीत लहर में भी प्रत्याशी एवं उनके समर्थक सुबह से ही अपने पक्ष में मतदान करने की अधिवक्ताओं से अपनी करते दिखाई देते हैं। वही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चरण सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पर महबूब आलम, उपसचिव प्रशासन मनोज कुमार, उप सचिव प्रशासन समरपाल सिंह, उप सचिव पुस्तकालय ओमपाल सिंह कोहली, वरिष्ठ सदस्य पर दिनेश कुमार प्रजापति, इसरार खान, जबकि कनिष्ठ सदस्य पद पर कमल सिंह, रामेश्वर शरण व मोहम्मद नौशाद का निर्वाचन माना जा रहा है।

देहात, आदमपुर और बछरायूं के थाना प्रभारी बदले

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

● एसपी ने कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए किए तबादले

अमृत विचार : एसपी अमित आनंद ने कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए तीन थाना प्रभारियों सहित कई पुलिसकर्मियों के तबादले किए हैं। जिनमें 8 इंस्पेक्टर और 4 दरोगा शामिल हैं।

एसपी ने शुक्रवार को जिले में बड़ा फेरबदल किया। एसपी ने इंस्पेक्टर शौकेंद्र सिंह बालियान को क्राइम ब्रांच से अमरोहा देहात का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। अमरोहा देहात के मौजूदा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सनोज प्रताप सिंह को सोशल मीडिया सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, एसओजी प्रभारी दरोगा कुलदीप तोमर को बछरायूं थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोशल मीडिया सेल प्रभारी इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह को एसपी पीआरओ बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात इंस्पेक्टर संजय कुमार को आदमपुर थाने का प्रभारी नियुक्त किया गया है। आदमपुर थाना प्रभारी दरोगा कुमरेश त्यागी को आईजीआरएस सेल प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि सम्मन सेल प्रभारी दरोगा बृजेश सिंह को एसओजी प्रभारी बनाया गया है। बछरायूं थाना प्रभारी दरोगा अमित तोमर को सम्मन सेल प्रभारी का कार्यभार सौंपा है। क्राइम इंस्पेक्टर थाना अमरोहा देहात रविन्द्र सिंह मलिक को गजरौला थाना क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर भेजा है। इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह को अमरोहा देहात का क्राइम इंस्पेक्टर बनाया गया है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को मानवाधिकार प्रभारी और इंस्पेक्टर सुनील कुमार को क्राइम ब्रांच में स्थानांतरित किया गया है।

हाईवे पर केक काटा और हुड़दंग 10 गिरफ्तार

बिजनौर, अमृत विचार : नए साल के जश्न के दौरान सड़क सुरक्षा की अनदेखी का एक नजारा नजीबाबाद के ग्राम पूरनपुर गढ़ी बाईपास पर सामने आया। कुछ युवकों ने हाईवे के बीच में बाइक खड़ी कर केक काटा और हुड़दंग मचाया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और 10 युवकों को हिरासत में लिया।

पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो में युवक सड़क पर हुड़दंग करते हुए दिखाई दे रहे थे। पास में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी, जिसने और अधिक जाम की स्थिति पैदा की। जांच में सामने आया कि नौमान पुत्र यासीन निवासी ग्राम मौजमपुर तुलसी गढ़ी ने अपने दोस्तों के साथ इस सड़क सुरक्षा नियमों की अवहेलना की। पुलिस ने नौमान, अमीर, अरमान, शादान, शादमान, आशु, वंश, अबूजर, सोनू और लवि कुमार सहित कुल 10 युवकों को हिरासत में लिया है।

बाइक से स्टंट करने से मना किया तो बंदूक से धमकाया

संवाददाता, हसनपुर

● कनपटी पर बंदूक लगाने का वीडियो वायरल

अमृत विचार : बाइक से स्टंट करने से मना करने पर मोटरसाइकिल मैकेनिक को जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने उसकी कनपटी पर बंदूक रख दी, जिसका वायरल हो रहा है।

नगर के मोहल्ला शाह विलायत हैबतपुर रोड निवासी सिराज अहमद पुत्र तौफीक अहमद की संभल अड्डे पर बाइक रिपेयरिंग की दुकान है। मोहल्ले के तीन युवक आए दिन बुलेट से स्टंटबाजी करते हुए उसके घर के सामने से गुजरते हैं। रास्ते में बच्चे खेलते रहते हैं, जिनके साथ किसी भी दिन हादसा हो सकता है। बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं है। सिराज अहमद के मुताबिक 31 दिसंबर को शाम के समय स्टंटबाजी करने के लिए मना किया तो कहासुनी हो गई थी। कुछ लोगों ने बीच में पड़कर मामला शांत करा दिया था। गुरुवार शाम तीनों आरोपी सिराज की दुकान पर पहुंचे और गाली गलौज करते हुए देशी बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। कहा कि तू हमें स्टंटबाजी से नहीं रोक सकता। सिराज का कहना है कि आरोपी बदमाश किस्म के व्यक्ति है, जो आए दिन लोगों से लड़ाई झगड़े करते रहते हैं। बंदूक सिराज की कनपटी पर रखने का फोटो और वीडियो वायरल हो रहा है। पीड़ित का कहना है कि उसके और परिवार की जान का खतरा बना हुआ है। कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल के बाद कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कोहरा व ठंड से नहीं मिल रही निजात

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अलाव के सहारे बैठे लोग। ● अमृत विचार

● दिन भर नहीं निकला सूरज बाजारों में कम रही चहलकदमी

अमृत विचार : नए साल के दूसरे दिन और कड़ाके की ठंडी ने शायद अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ डाले हैं। हाड़ कंपकपाती सर्दी के साथ ही बीती रात्रि आए कोहरे ने आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त कर दिया। सुबह से लेकर शाम तक सूर्य देवता के दर्शन न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। धूप निकलने की आस लगाए लोगों को मायूसी का सामना करना पड़ा।

घने कोहरे और ठंड के बीच लोगों को दिन गुजारना पड़ा। सड़को, चौराहो, बाजारों में लोग अलाव जलाकर हाथ तापते हुए दिखाई दिए। बता दें कि वर्ष 2025 का अंतिम दिन कड़ाके की ठंड व कोहरे के बीच गुजर गया। अलबत्ता थोड़ी देर के लिए ही सही, सूर्य देवता के दर्शन होने से लोगों को राहत मिल गई थी। लेकिन, रात में कोहरा आने के बाद तमाम रात कोहरे के बीच लोगों को नववर्ष का स्वागत करना पड़ा। बीती रात के शुरु में ही कोहरा देखकर लोगों की अजीब स्थिति हो गई थी। लेकिन, नववर्ष मनाने वालों को तो नए साल का वैलकम करना था, उन्होंने नए वर्ष का स्वागत अपने अंदाज में किया। सुबह से ही पड़ी ठंड ने अपने पिछले सारे रिकार्ड पीछे छोड़ दिए हैं। नव वर्ष के पहले दिन कड़ाके की ठंड रही। वहीं शुकव्रार को दूसरे दिन शहर में कम से कम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तथा अधिकतम 18 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंड का प्रकोप बढ़ने से अधिकांश लोगों को अपने अपने घरों में कैद होने के लिए मजबूर होना पड़ा। यही स्थिति मार्केट की भी रही। दुकानें खुलीं तो सही, लेकिन ग्राहकों की नाममात्र की थी। गर्म कपड़ों की दुकानों पर ग्राहक अवश्य दिखाई दिए। अगर अगले दो चार दिन ठंड की यही स्थिति रही तो आम जन जीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो जाएगा।

न्यूज डायरी

दोना-पत्तल की दुकान में आग से लाखों का नुकसान

मंडी धनौरा, अमृत विचार : शहर के मौहल्ला महादेव स्थिति दोने-पत्तल की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। आग से दुकान स्वामी को लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। दुकान स्वामी सुधीर वर्मा ने किसी व्यक्ति द्वारा आग लगाने की आशंका जताई। लोगों ने बाल्टियों और अन्य संसाधनों की मदद से कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया, जिससे आग आसपास की दुकानों और मकानों तक फैलने से बच गई।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

मेंहदीपुर में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य आरंभ

सैदनगली, अमृत विचार : नगर पंचायत सैदनगली के वार्ड संख्या एक मेंहदीपुर में नफीस के मकान से नूर हसन के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का उद्घाटन चेयरमैन डॉ अनुकृति चौधरी व भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक ने किया। डॉ. अनुकृति चौधरी ने कहा कि आज सैदनगली विकास के नाम से जानी जाती है। यहां के सौंदर्यीकरण की अलग पहचान है। अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज, सभासद धारा सिंह, सभासद अमित प्रजापति, सभासद वागेश चौधरी, सभासद अमित भाटी, सभासद फजले अब्बास, फरीद कुरैशी, सभासद राशिद अली, हुकम सिंह त्यागी, नरेश सैनी, नीटू भाटी, प्रेम शर्मा, सत्यम गुप्ता, अवनीश शर्मा, जगपाल सिंह कटारिया, दयानंद चौधरी, मिशू पंवार, बदन सिंह जाटव, रोहित चौधरी आदि रहे।

गूगल मैप के फेर में नगर में घुस रहे भारी वाहन

हसनपुर, अमृत विचार : नगर की सड़कों पर इन दिनों भारी वाहनों का जमावड़ा मुसीबत बन गया है। इसका मुख्य कारण गुगल मैप की गलत दिशा है, जिसके फेर में फंसकर बड़े ट्रक और ट्राले सीधे नगर के तंग रास्तों में दाखिल हो रहे हैं। ये स्थिति न केवल जाम का सबब बन रही है, बल्कि बड़े हादसों को भी खुला निमंत्रण दे रही है। ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि मैप पर रास्ता सीधा नगर के भीतर दिखाया जाता है। एक बार नगर में घुसने के बाद आगे रास्ते संकरे होने और भीड़ बढ़ने के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ड्राइवरों के मुताबिक, नगर के भीतर रोडवेज अड्डे के पास ही एकमात्र ऐसी जगह है जहां से बड़े वाहनों को मोड़ा जा सकता है। यदि रोडवेज अड्डे के पास जगह खाली न मिले, तो गाड़ी बैक करना भी नामुमकिन हो जाता है क्योंकि वहां इतनी जगह भी शेष नहीं बचती। लोगों का कहना है कि प्रशासन को मुख्य चौराहों पर भारी वाहनों के प्रवेश निषेध के सांकेतिक बोर्ड लगाने चाहिए। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो संकरी गलियों में फंसे ये वाहन जनहानि का कारण बन सकते हैं।

गन्ना लदे ट्रक ने मारी साइड, कार क्षतिग्रस्त

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के संभल अड्डे पर गन्ना लदे ट्रक ने कार को साइड मार दी। कार क्षतिग्रस्त हो गई, मौके पर भीड़ जुट गई। शुक्रवार की दोपहर नगर कोतवाली क्षेत्र के सम्भल अड्डे के नजदीक कोतवाली क्षेत्र के गांव हैबतपुर बंजारा निवासी अफसर अपनी कार से नगर आ रहा था। हापुड़ जिले के गन्ना सेंटर कुतुबपुर से गन्ना लादकर ट्रक में ले जा रहा चालक सहदेव संभल अड्डे पर पहुंचा तो जाम के कारण कार में साइड लग गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अफसर का कहना है कि उसने एक जनवरी को ही कार एजेंसी से निकाली थी। बहरहाल देर शाम तक समझौता की बातें होती रहीं।

पेड़ से लटका मिला विवाहिता का शव, हंगामा

संवाददाता आदमपुर/हसनपुर

● ससुराल वालों ने शव के पोस्टमार्टम का किया विरोध
● पुलिस ने काफी नोकझोंक के बाद शव भेजा

मृतका कस्तूरी देवी।

अमृत विचार : महिला का शव गांव के बाहर खेत पर बनी झोपड़ी के आंगन में शहतूत के पेड़ पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा तो परिजनों ने विरोध किया। काफी नोकझोंक के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया महिला द्वारा सुसाइड करने की बात सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट होने की बात कह रही है।

थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव पीतमपुर निवासी कैलाश खड्गवंशी ने गांव से करीब 200 मीटर की दूरी पर खेत में झोपड़ी बना रखी है। आंगन में शहतूत का पेड़ खड़ा है। हरियाणा में मजदूरी करने वाला कैलाश तीन दिन पूर्व ही घर आया था।

शुक्रवार तड़के कैलाश की पत्नी कस्तूरी देवी (25) वर्ष का शव आंगन में खड़े शहतूत के पेड़ पर नायलॉन की रस्सी के सहारे लटकता हुआ मिला। परिवार में कोहराम मच गया। गांव के तमाम लोग मौके पर जुट गए। कस्तूरी देवी के मायका रहरा थाना क्षेत्र के गांव भोगपुरा निवासी परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मायके वालों ने पुलिस को खबर कर दी। पुलिस मौका मुआयना कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज रही थी तो कैलाश के परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। कहा कि कस्तूरी ने सुसाइड किया है और इसलिए वे शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते। इस दौरान पुलिस से खासी नोकझोंक हुई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने शव मोर्चरी भेज दिया। बताया जा रहा है की कस्तूरी देवी पर 4 वर्ष की एक बेटी है। 6 वर्ष पूर्व कस्तूरी की शादी हुई थी। सीओ पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में ग्रामीण की मौत

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : रहरा थाना क्षेत्र में देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव कोपोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव करनपुर खादर निवासी 32 वर्षीय तुलसी पुत्र यादराम शुक्रवार देर शाम अमरोहा से अपनी बाइक से घर लौट रहे था। अलीगढ़ मार्ग पर छपना गांव के समीप उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तुलसी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल तुलसी को उपचार के लिए ले नगर जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार वंशी वाला मेहरपुर निवासी लाल सिंह और उनकी पत्नी देवकली भी गंभीर घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। मृतक तुलसी मेरठ में ट्रक चालक था। वह लाइसेंस बनवाने के संबंध में अपने घर आया था। तुलसी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। तुलसी अपने पीछे पत्नी पुष्पा और दो बेटे देवदत्त व शिवम को छोड़ गए हैं। थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गंगा बैराज से कूदी महिला, पुलिस व गोताखोरों ने बचाया

बिजनौर, अमृत विचार: गंगा बैराज पुल पर शुक्रवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने गंगा नदी में छलांग लगा दी। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। महिला को उपचार के लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

घटना सुबह करीब 11 बजे की है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय अंजुम पत्नी गुलजार, निवासी सहसपुर थाना हस्तिनापुर, किसी परेशानी के चलते गंगा बैराज के गेट नंबर पांच से नदी में कूद गई। महिला के छलांग लगाते ही वहां मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम और गोताखोर नाव लेकर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद महिला को निकाल लिया गया। सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके भाई ने भी पुलिस को बताया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती।

अधिकारियों से कराएंगे लकड़ी चोरी की जांच

संवाददाता, रहरा

● पौरारा वन ब्लॉक में चौकीदारों द्वारा लकड़ी चोरी कर बेचने का मामला

अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने के बाद मामला संज्ञान में आया है। चौकीदारों द्वारा पेड़ काटने से संबंधित वीडियो भी प्राप्त हो गई है। धनौरा रेंज के अधिकारियों को मामले की जांच करने के आदेश दे दिए गए हैं।

– राजीव कुमार, डीएफओ, अमरोहा

अमृत विचार : गंगेश्वरी विकासखंड के पौरारा वन ब्लॉक में चौकीदारों द्वारा जंगल में पेड़ों पर आरा चलवा कर लकड़ी बेचने के मामले में अमृत विचार द्वारा खबर प्रकाशित होने के बाद डीएफओ ने जांच के आदेश कर दिए हैं। जिससे वन विभाग के चौकीदारों में खलबली मची है।

बता दें कि शुक्रवार के अंक में अमृत विचार ने वन चौकीदार ही जंगल में पेड़ों पर चलवा रहे आरा शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने लकड़ी चोरी के मामले का संज्ञान लिया है। अब धनौरा रेंज के वन अधिकारी वन चौकीदारों द्वारा पेड़ कटवा कर लकड़ी बेचने की जांच करेंगे।

गुरुवार को गांव पौरारा निवासी एक व्यक्ति ने पौरारा वन ब्लॉक में चौकीदारों द्वारा पेड़ काटकर लकड़ी बेचने की वीडियो बना वायरल कर दिया था। ग्रामीण का आरोप है कि वीडियो बनाते समय उसकी चौकीदारों से तू तू मैं- में भी हो गई थी। बता दें कि इससे पहले भी वन चौकीदारों द्वारा अवैध वसूली का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें वन चौकीदार पालेज(टमाटर, खीरा व लौकी आदि) लगाने के लिए किसानों से अवैध तरीके से वसूली कर वन विभाग की जमीन ठेके पर दे रहे थे।

कार्यालय सहायक निबन्धक फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार शर्मा द्वारा संस्था श्री राम कृष्णा सांस्कृति कला समिति, मकान संख्या 1424 सीता रोड गणेश मन्दिर के पास चंदौसी जिला सम्भल का अध्यक्ष दर्शाते हुये संस्था के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेखों के अनुसार सर्वश्री 1. संजय गौतम-सदस्य 2. अवधेश कुमार शर्मा-सदस्य 3. मेघा शर्मा-प्रबन्धक 4. रविन्द्र सिंह यादव-वित्तीय सलाहाकार 5. अनादि शंखधार-संस्कृति कार्यक्रम प्रभारी 6. पद्मिनी शर्मा-कोषाध्यक्ष 7. ब्रज किशोर शर्मा-सचिव 8. ब्रज गोपाल-उपसचिव 9. अशोक कुमार शर्मा-अध्यक्ष 10. आदित्य शंखधार-उपाध्यक्ष दर्शाये गये है।

अत: यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। और गुण दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सो.रजि.एक्ट 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से - (आनन्द विक्रम सिंह)
सहायक निबन्धक

कार्यालय नगर निगम, मुरादाबाद

पत्रांक : 15/गो./स्वा.वि./न.वि.मु./2025 दिनांक : 02.01.26

ई-निविदा सूचना

स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, मुरादाबाद द्वारा ई-टैन्डरिंग के माध्यम से निम्नतालिका अनुसार सामग्री की आपूर्ति प्राप्त करने हेतु प्रति नग दर के आधार पर दिनांक 17.01.26 की सायं 04:00 बजे तक अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा वेबसाईट https://etender.up.nic.in एवं www.nagarnigammoradabad.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं दिनांक 03.01.26 की प्रात: 10:00 बजे से 17.01.26 की सायं 4:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 17.,01.26 की सायं 04:30 बजे सफाई गोदाम गुलाबबाड़ी, रामपुर रोड, मुरादाबाद कार्यालय पर खोली जायेगी।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम, मुरादाबाद।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

3 को नहीं इस बार 5 को आयोजित होगा समाधान दिवस

संभल,अमृत विचार : संभल जनपद के आज संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन नहीं होगा। इस साल 3 जनवरी को हजरत अली के जन्मदिन के अवकाश की वजह से समाधान दिवस स्थगित किया गया है। जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि माह जनवरी के प्रथम शनिवार के बजाय अब संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उनकी अध्यक्षता में 5 जनवरी को संभल तहसील सभागार में होगा।

छत से गिरकर युवती गंभीर घायल

संभल/ओबरी, अमृत विचार : छत से गिरकर युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। असमोली थाना क्षेत्र के ओबरी गांव निवासी सज्जाद अली के घर मेहमानदारी करने आई उसकी साली रूही मकान की छत से नीचे आंगन में गिर गई। युवती के गिरते ही घर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आनन फानन मे परिजन घायल युवती को इलाज के लिए मुरादाबाद के निजी अस्पताल में ले गए जहां उसकी हालत गंभीर बनी है।

लेखपाल से मारपीट के बाद चली जेसीबी, फसल नष्ट, मकान ध्वस्त

मातीपुर के प्रधान पति सहित चार लोगों ने किया लेखपाल पर हमला, मारपीट के बाद जेसीबी लेकर गांव पहुंचे सरकारी अमले ने हटाया अतिक्रमण

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के गांव मातीपुर में तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर ग्राम प्रधान पति और हल्का लेखपाल के बीच हुए विवाद के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। प्रशासनिक टीम ने जेसीबी चलवाकर सरकारी भूमि पर कब्जा कर उगाई गई बरसीम और सरसों की फसल को नष्ट करा दिया। वहीं तालाब की भूमि पर कब्जा कर बनाए गए मकान के हिस्से को भी ध्वस्त कर दिया गया। लेखपाल की तहरीर पर ग्राम प्रधान पति सहित 4 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मातीपुर गांव में तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत के बाद 31 दिसंबर को लेखपाल सुभाष चंद्र ने जमीन की पैमाइश कर अवैध कब्जों को चिन्हित किया था। उस दौरान ग्राम प्रधान पति गजराम ने पैमाइश का विरोध किया और नाप रुकवा दी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। लेखपाल का कहना है कि शुक्रवार को वह मनोटा पुल पर थे तभी ग्राम प्रधान पति गजराम ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर उस पर हमला कर धारदार हथियार के वार से घायल करने के साथ ही अभिलेख भी फाड़ दिये। लेखपाल ने तहसीलदार व अन्य अधिकारियों को हमले की जानकारी दी तो मातीपुर गांव में सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्लान तैयार कर तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह, असमोली सीओ कुलदीप सिंह, नायब तहसीलदार, हल्का लेखपाल पुलिस बल के साथ मातीपुर धकतौड़ा गांव पहुंच गए। गांव में गाटा संख्या 614, रकबा 0.464 हेक्टेयर भूमि पर ग्राम प्रधान पति गजराम व नन्हें आदि के द्वारा किए गए कब्जे को बुलडोजर कार्रवाई का हटाया गया। इस भूमि पर उगाई गई बरसीम और सरसों की फसल को बुलडोजर से नष्ट कर दिया गया।

मकान ध्वस्त होने के बाद बाहर रखा घर का सामान। ● अमृत विचार

फसल उजाड़ती जेसीबी।

महिलाओं को समझाते सीओ कुलदीप सिंह। ● अमृत विचार

मातीपुर धकतोड़ा गांव में सरकारी जमीन के अभिलेख देखते तहसीलदार।

गांव में मकान को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

तालाब व कब्रिस्तान पर किया गया निर्माण ध्वस्त

मातीपुर धकतोड़ा गांव की आबादी के बीच स्थित तालाब की गाटा संख्या 680 की भूमि पर अवैध कब्जा कर जाकिर, सादिक और अनीस समेत तीन लोगों द्वारा मकान बनाए गए थे। प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम ने पहले नाप तौल कर अतिक्रमण चिन्हित करते हुए कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए थे, लेकिन कब्जा न हटाने पर शुक्रवार को बुलडोजर कार्रवाई की गई। पुलिस बल की मौजूदगी में तालाब की भूमि को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाया गया। इसके अलावा कब्रिस्तान के पास तालाब को पाटकर बनाए गए मुनीसा पत्नी अनीस के मकान की चारदीवारी को देर शाम बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई से गांव में हड़कंप मच गया।

प्रधान पति सहित 4 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

असमोली, अमृत विचार : असमोली थाना पुलिस ने लेखपाल की तहरीर पर ग्राम प्रधान पति सहित चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लेखपाल सुभाष चंद्र की तहरीर पर दर्ज किये गये मुकदमे में कहा गया है कि तालाब की भूमि की पैमाइश के लिए गये तो ग्राम प्रधान पति गजराम की सहमति से भूमाफिया किस्म के नन्हें, इकरार, फुरकान, आरिफ व अरकान द्वारा फसल बोकर अवैध कब्जा करने की बात सामने आई। अवैध कब्जा चिन्हित करने से नाराज इन लोगों ने शुक्रवार को मनोटा पुल पर उस पर हमला कर दिया। सीओ असमोली कुलदीप सिंह ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सर्द हवा और कोहरे ने किया बेहाल

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: जनपद में कड़ाके की ठंड से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। शुक्रवार को भी हाड़ कंपा देने वाली सर्द हवाओं और घने कोहरे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। सुबह से लेकर शाम तक सूर्य के दर्शन नहीं हुए। आसमान में बादलों की चादर छाई रही और ठंडी हवाओं के साथ कोहरे के दबाव के कारण ठिठुरन लगातार बनी रही।

सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता बेहद कम रही। सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और मजदूर वर्ग को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखे, वहीं गरीब और जरूरतमंदों के लिए सर्दी मुसीबत बनी रही। ठंड के असर से बाजारों की रौनक भी फीकी पड़ गई। सुबह के समय बाजार देर से खुले और शाम ढलते ही सर्द हवाओं के चलते दुकानें जल्दी बंद हो गईं। रोजमर्रा की जरूरतों की खरीदारी करने वाले लोगों की संख्या कम रही। सर्दी और कोहरे के कारण ग्रामीण इलाकों में भी लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही।

बाजार में सर्दी से बचने के लिए अलाव तापते दुकानदार। ● अमृत विचार

● दिन भर नहीं निकला सूरज, वाहन रेंगते नजर आए

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में भी कोहरे और ठंड का असर बने रहने की संभावना जताई गई है। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने, सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने और गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी गई है।

युवक का मिला शव, सीने पर लिखा था सनी लव नेहा

संभल, अमृत विचार: जनपद संभल के जुनावई थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह जंगल के रास्ते पर एक युवक का शव पड़ा मिला। जुनावई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के सीने पर सनी लव नेहा लिखा है, जिसे पुलिस पहचान से जुड़ा अहम सुराग मान रही है। मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगालने के साथ ही ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। घटनास्थल के आसपास के रास्तों और संपर्क मार्गों की भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शव वहां कैसे पहुंचा। जुनावई थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बिना सर्जन ऑपरेशन: अस्पताल सील, दो हिरासत में

कार्यालय संवाददाता , संभल

● 15 दिनों से नहीं आए सर्जन फिर भी हो गए ऑपरेशन

अमृत विचार: जिलाधिकारी को मिली शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग और पुलिस-प्रशासन ने हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र की नगर पंचायत सिरसी में संचालित इंडियन हॉस्पिटल पर छापामार कर सील कर दिया। इससे पहले अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को सील किया गया था, लेकिन निरीक्षण के दौरान उसकी सील टूटी हुई पाई गई।

शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, सीओ संभल आलोक भाटी और नगर पंचायत के ईओ डॉ. मणिभूषण तिवारी ने इंडियन हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। जांच में अस्पताल अवैध रूप से संचालित पाया गया। मौके पर अय्यूब और याकूब पुत्र हाजी अली जान निवासी मैनाठेर, मुरादाबाद तथा डॉ. सैफ (एमबीबीएस) मौजूद मिले। अय्यूब की शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट और याकूब की ग्रेजुएशन बताई गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में दो महिलाएं भर्ती पाई गईं। इनमें से एक महिला शायरून की शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी कराई गई थी, जबकि दूसरी महिला की ऑपरेशन से डिलीवरी एक दिन पूर्व की गई थी। इसके अलावा अस्पताल में फोजिया और तबस्सुम सहित कुल चार नर्सिंग स्टाफ मिले, जिनकी शैक्षिक योग्यता मात्र इंटरमीडिएट पाई गई।

अस्पताल के संचालक अय्यूब ने संचालन से जुड़े कुछ अभिलेख प्रस्तुत किए, लेकिन अभिलेखों में दर्शाए गए डॉक्टर मौके पर मौजूद नहीं मिले। अय्यूब ने दावा किया कि महिलाओं का ऑपरेशन डॉ. रमेश कुमार यल्ला ने किया है। हालांकि जब डॉ. यल्ला से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वे पिछले 15 दिनों से अस्पताल नहीं आए हैं। डॉ. सैफ ने बताया कि वह केवल एमबीबीएस डॉक्टर हैं, सर्जन नहीं और अस्पताल में सिर्फ ओपीडी देखते हैं। स्टाफ से की गई पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि अस्पताल में होने वाले ऑपरेशन अय्यूब और याकूब दोनों भाई मिलकर करते हैं। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज चौधरी को भी मौके पर बुलाया गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल का ऑपरेशन थिएटर पहले ही सील किया जा चुका था, लेकिन उसकी सील टूटी हुई पाई गई। प्रशासन ने याकूब और अय्यूब दोनों को पुलिस हिरासत में भेज दिया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज चौधरी ने अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को दोबारा सील करा दिया।

अवैध रूप से संचालित क्लीनिक व लैब सील

संभल/ओबरी,अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज चौधरी ने एक अपंजीकृत क्लीनिक और अवैध पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे स्वास्थ्य विभाग की टीम ओबरी गांव पहुंची। यहां क्लीनिक संचालक प्रेम सिंह निवासी मलकपुर नवादा से दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी पंजीकरण अथवा अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर नोडल अधिकारी ने क्लीनिक को सील कर दिया। इसी क्रम में चंदवार गांव निवासी पवन द्वारा ओबरी गांव में बिना पंजीकरण के संचालित की जा रही पैथोलॉजी लैब पर भी छापा मारा गया। जांच में लैब का कोई वैध पंजीकरण नहीं पाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने लैब को सील करते हुए वहां लगी मशीनों को जब्त कर लिया। स्वास्थ्य विभाग की इस छापेमारी से क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे अन्य क्लीनिकों और लैब संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। कई जगहों पर संचालक अपने-अपने शटर गिराकर फरार हो गए।

लोगों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

बाइक चालक को यातायात नियम बताते सीओ व यातायात प्रभारी। ● अमृत विचार

संवाददाता,बहजोई

● नियमों का पालन न करने वाले वाहन स्वामियों के काटे चालान

अमृत विचार: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कलेक्ट्रेट के बाहर सीओ यातायात के नेतृत्व वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। हेलमेट नहीं लेने वाले वाहन स्वामियों के पुलिस ने चालान काटे।

सीओ यातायात दीपक कुमार तिवारी पुलिसकर्मियों के साथ कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे जहां वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जो बाइक सवार हेलमेट लगाकर नहीं चल रहे थे उन्हें रोका और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। हेलमेट की दुकानों से हेलमेट दिलवाए। कइयों का चालान किया। चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने को कहा। यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान आदि मौजूद रहे।

जुमे की नमाज पर रही कड़ी सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल की शाही जामा मस्जिद में वर्ष 2026 के पहले जुमे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दो थानों की पुलिस के साथ ही आरआरएफ व पीएसी को तैनात किया गया। मस्जिद की ओर आने वाले तीनों रास्तों पर बैरियर लगाकर नाकाबंदी की गई और केवल नमाजियों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई। सत्यव्रत पुलिस चौकी पर बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से पूरे क्षेत्र की निगरानी की गई।

जामा मस्जिद में शुक्रवार को दोपहर करीब 1:40 बजे जुमे की नमाज अदा की गई। सत्यव्रत पुलिस चौकी इंचार्ज आशीष तोमर पुलिस बल के साथ संवेदनशील इलाकों में भ्रमणशील रहे। जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली एडवोकेट ने कहा कि नए वर्ष 2026 की शुरुआत हुई है और हम दुआ करते हैं कि पूरा साल देश-दुनिया में अमन और शांति बनी रहे। सीओ आलोक भाटी ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि पहले की तरह इस बार भी जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शहर की अन्य मस्जिदों में भी जुमे की नमाज शांतिपूर्वक अदा की गई।

जामा मस्जिद में नमाज अदा कर बाहर निकलते नमाजी। ● अमृत विचार

● शांतिपूर्ण माहौल में पढ़ी नये साल के पहले जुमे की नमाज

न्यूज डायरी

औषधि व्यापार में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने पर जोर

बबराला, अमृत विचार : दवा व्यापारियों की संस्था केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के नववर्ष उत्सव एवं आम सभा में मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कैलाश वार्ष्णेय एवं डॉ. राहुल यादव रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष आकाश वार्ष्णेय ने दवा विक्रेताओं को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए औषधि व्यापार में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं नैतिक मूल्यों को बनाए रखने पर विशेष बल दिया। संरक्षक रमन कुमार एवं मुकेश गर्ग ने दवाओं की बिक्री में निर्धारित नियमों के पालन तथा सुदृढ़ रिकॉर्ड संधारण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन ही उपभोक्ताओं के विश्वास को मजबूत करता है। कार्यक्रम के अंत में संगठन की आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई तथा सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर डॉ प्रदीप कुमार, डॉ मुकेश कुमार, विशाल वर्मा, गोविंदराम, संदीप गुप्ता, लकी गुप्ता सहित तमाम दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

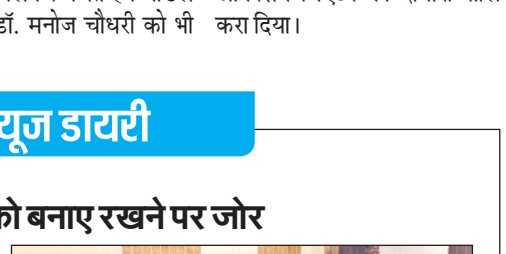

जबरदस्ती वंदे मातरम् कहलाने पर होनी चाहिए कार्रवाई

संभल, अमृत विचार : ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के जिलाध्यक्ष असद अब्दुल्ला ने कहा कि किसी से ज़बरदस्ती वंदे मातरम् कहलवाना गलत है। ऐसे मामलों में कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान असद अब्दुल्ला ने मौलाना साजिद रशीदी के बयान से जुड़े सवालों पर यह प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम सभी संविधान को मानने वाले लोग हैं और कानून व अदालत का सम्मान करते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, भारत में हो रहे प्रदर्शनों और आईपीएल में शाहरुख़ ख़ान द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ी को खरीदे जाने से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए असद अब्दुल्ला ने कहा कि दुनिया में कहीं भी ज़ुल्म होता है तो वह ज़ुल्म ही कहलाता है, चाहे वह बांग्लादेश में हो या हिंदुस्तान में। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक हो या बहुसंख्यक, किसी के साथ भी अन्याय गलत है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। कुछ लोग हर मुद्दे को हिंदू-मुसलमान से जोड़कर राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि ये लोग हिंदू-मुसलमान नहीं करेंगे तो इनकी राजनीतिक रोटियां नहीं सिकेंगी।

नववर्ष कार्यक्रम में किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बहजोई, अमृत विचार : श्री राधेश्याम गोवर्धन सेवा समिति के तत्वाधान में नववर्ष कार्यक्रम में राधा कृष्ण नृत्य पर लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महिलाओं की नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग करते हुए फिल्मी गीतों पर प्रस्तुति देकर कर धमाल मचाया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष आशुतोष वार्ष्णेय, सुशील कुमार, शैलेंद्र कुमार शैलू, राजेश कुमार डब्बू जी, उमेश कुमार, उमाशंकर वार्ष्णेय, अतुल कुमार, लव कुमार रस्तोगी, राम मोहन, विनोद कुमार, सुमित कुमार, अंकुर वार्ष्णेय, संजय वाष्णेय, संजय ट्रांसपोर्ट आदि मौजूद रहे।

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने में पत्नी गिरफ्तार

संभल, अमृत विचार: 9 दिसंबर को ग्राम देहपा निवासी विपिन कुमार का शव घर में ही फंदे पर लटका मिला था। विपिन के पिता वीर सिंह पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि विपिन और उसकी पत्नी मोनिका के बीच आए दिन कहासुनी और विवाद होता रहता था। बहू ने अपने भाइयों को बुलाकर उसके पुत्र के साथ मारपीट की और उसका अपमान किया।

प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान ने बताया कि जांच के दौरान पुष्टि हुई कि मोनिका ने विपिन को अपमानित कर आत्महत्या के लिए उकसाया था। शुक्रवार को सूचना के बाद पुलिस ने मोनिका को ग्राम रमपुरा बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना नखासा के प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार बालियान, उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार, कांस्टेबल शेखर यादव और महिला कांस्टेबल नीतू शामिल रहीं।

खुरपका-मुंहपका की चपेट में गोवंश, पशुपालक परेशान

संवाददाता, संभल/कैला देवी

● पशु चिकित्सा विभाग के पास वैक्सीन उपलब्ध नहीं

● पशुओं से दुग्ध उत्पादन पर भी पड़ रहा बड़ा असर

अमृत विचार: पंवासा विकासखंड की ग्राम पंचायत गोंहत में खुरपका-मुंहपका रोग ने पशुओं को अपनी चपेट में ले लिया है। भीषण सर्दी के बीच तेजी से फैल रहे इस संक्रामक रोग से पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। हालात यह हैं कि पशु चिकित्सा विभाग के पास बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में बड़ी संख्या में पशु इस रोग से ग्रसित हैं। पशुओं के मुंह और खुरों में घाव हो जाने से वे न तो ठीक से चारा खा पा रहे हैं और न ही चल पा रहे हैं।

इसका असर दुग्ध उत्पादन पर भी पड़ रहा है। किसान विपिन कुमार ने बताया कि उनके दो पशु खुरपका-मुंहपका से पीड़ित हैं। उनके अलावा कई अन्य पशुपालकों के पशु भी बीमारी की चपेट में हैं।

पशुपालकों का कहना है कि उन्होंने कई बार पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी, लेकिन अब तक कोई टीम गांव में नहीं पहुंची है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द गांव में पशु चिकित्सा शिविर लगाकर टीकाकरण कराया जाए, ताकि पशुओं को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सके और पशुपालकों को राहत मिल सके।

4.67 लाख की धांधली पर ग्राम प्रधान के अधिकार सीज

संवाददाता,बहजोई

● एडीएम न्यायिक के नेतृत्व में जांच समिति गठित की

अमृत विचार: ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में 4 लाख 67 हजार की धांधली पाई गई। जिसको लेकर डीएम ने ग्राम प्रधान को नोटिस जारी किया था। नोटिस का जवाब सही न देने पर डीएम ने कल रुख अपनाते हुए ग्राम प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं। अंतिम रिपोर्ट के लिए एडीएम न्यायिक के नेतृत्व में जांच समिति गठित की है।

पंवासा विकासखंड के गांव की ग्राम पंचायत मुजाहिदपुर में विकास कार्यों में धांधली करने को लेकर ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की थी। डीएम ने तीन सदस्य जांच समिति गठित की थी। जांच समिति ने जांच में 4 लाख 67 हजार 608 रुपए का गलत भुगतान करने की अनियमितता पाई गई। जिसको लेकर डीएम ने ग्राम प्रधान माया देवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसका उत्तर ग्राम प्रधान ने संतोषजनक नहीं दिया। इसके बाद डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया। अंतिम जांच के लिए एडीएम न्यायिक, उपनिदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग की जांच समिति बनाई। वहीं जांच समिति को अंतिम रिपोर्ट देने के लिए निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ चेतेंद्र कुमार ने बताया कि पंवासा विकासखंड की ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में चार लाख 6लाख 67 हजार 608 रुपए की वित्तीय अनियमितता पाई गई है। जिसको लेकर ग्राम प्रधान के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार चीज कर दिए गए हैं।

छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की दिलाई शपथ

बहजोई, अमृत विचार : बहजोई महाविद्यालय में रोड सेफ्टी क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में सड़क सुरक्षा व जागरूकता के लिए शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने छात्र-छात्राओं और स्टाफ को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस समय कोहरा और ठण्ड के मौसम में हम सबको सड़क संबंधी नियमों का पालन और ज्यादा जरूरी है। इस समय कोहरे में सड़क पर सामने आते वाहन सही से नहीं दिखते और दुर्घटना का शिकार हो जाते है। इसलिए हमको दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। इसके साथ ही वाहनों के बीच भी उचित दूरी बनाये रखें। जिससे दुर्घटनाओं का सामना न करना पड़े। इस दौरान संजय कुमार, गौरव वार्ष्णेय, डा. गीता, डा. विष्णुदत्त, गीता रानी, नेमपाल सिंह, रामतीरथ, प्रीति शर्मा, पूजा शर्मा, भगवान सिंह चौहान, भुवनेश कुमार, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

एमकेएसवाई के लिए धनराशि स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसवाई) के अंतर्गत केंद्र सरकार से जारी केंद्रांश धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि कुल मिलाकर 9 करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित दिशा-निर्देशों व गाइडलाइन के अनुरूप समय से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नहीं होगी।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

बीते वर्ष 4 लाख कम हुए चालान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचार: इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

लखनऊ : अपने सरकारी आवास पर बैठक में राजस्व और पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटे मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 221 सदस्यीय समिति गठित करेगी भौतिक सत्यापन

अमृत विचार: कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में आईआईटी करेगा मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई युक्त इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर होगा स्थापित
- नुकसान को कम करने को वैज्ञानिक मॉडल और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर जोर

अमृत विचार: प्रदेश में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की विशेषज्ञता का लाभ लेगा। उद्देश्य है कि आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा विकसित आधुनिक मॉडल लागू कर आपदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करना।

शुक्रवार को पिकप भवन स्थित यूपीएसडीएमए कार्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मनीष भारद्वाज ने राज्य की आपदा तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहर, वज्रपात और भूकंप जैसे जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेने के निर्देश दिए। साथ ही एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों और आमजन को आपदा प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित करने पर बल दिया। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निकट गांवों में नाविकों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए।

यूपीएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई-युक्त अत्याधुनिक राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित निर्णय संभव होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत गृह मंत्रालय और एनडीएमए के सहयोग से प्रदेश के 25 जिलों में 29,772 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूपीएसडीएमए के उपाध्यक्ष जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि प्राधिकरण के सभी कार्य भारत सरकार और एनडीएमए की गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

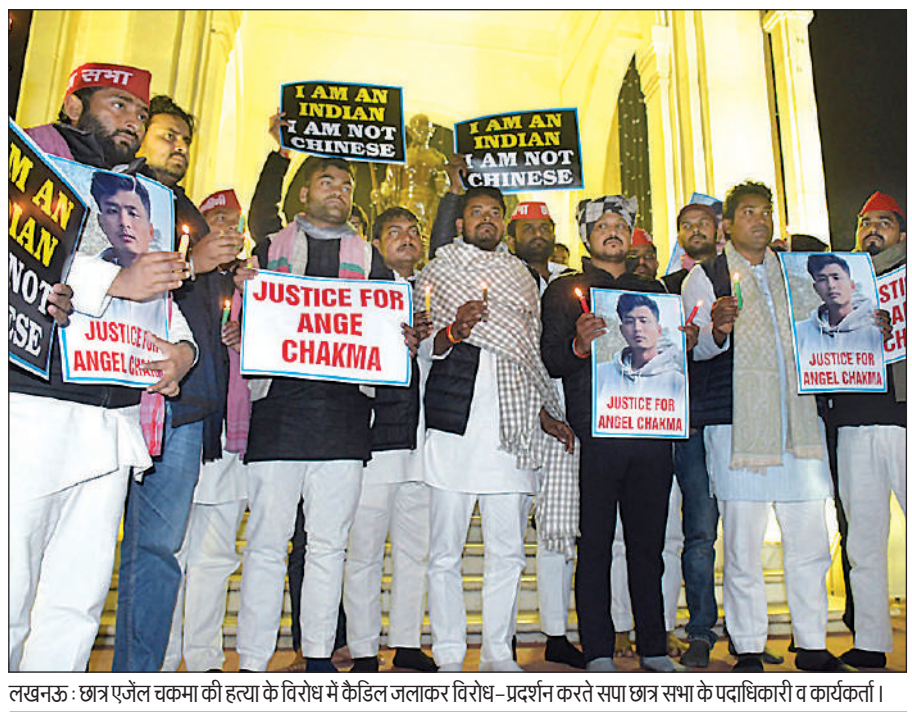

लखनऊ : छात्र एंजेल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जीपीएस वाहनों से खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था एक प्रभावी और निर्णायक पहल के रूप में सामने आई है। राज्य में 5 हजार से अधिक जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए अब गोदाम से लेकर उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही पूरी तरह डिजिटल निगरानी में हो रही है। इस व्यवस्था ने वर्षों से चली आ रही खाद्यान्न चोरी, लीकेज और कालाबाजारी की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से खाद्यान्न उठान करने वाले सभी प्रमुख वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे यह रियल टाइम में देखा जा सकता है कि वाहन कब, कहां से चला, रास्ते में कहां रुका और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचा या नहीं। कंट्रोल सिस्टम में हर गतिविधि दर्ज होने से परिवहन के दौरान होने वाली हेराफेरी की संभावनाएं लगभग खत्म हो गई हैं।

केवल खाद्यान्न वितरण ही नहीं, बल्कि खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के दौरान धान खरीद में भी जीपीएस ट्रैकिंग को अनिवार्य किया गया है।

जीरो पावर्टी अभियान | संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर जोर, दो चरणों में लाभ पहुंचाने की रणनीति

योजनाओं से परिवारों को गरीबी से मुक्त कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू किया गया 'जीरो पावर्टी' मिशन प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन के समन्वय से एक सशक्त और परिणामोन्मुख मॉडल के रूप में उभर रहा है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबी के दुष्चक्र को स्थायी रूप से तोड़ना। दो चरणों में लागू की गई रणनीति से यह साफ है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर फोकस कर रही है।

लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इन परिवारों को मकान, स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़क, बिजली कनेक्शन, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये लाभार्थी बताते हैं कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान दोनों लौटाया है। यही 'जीरो पावर्टी' मिशन की मूल भावना है-सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि समग्र जीवन सुधार।

इस अभियान के तहत प्रदेशभर में वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। सर्वे के आधार पर महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने की योजना है। वहीं लगभग 11 हजार बच्चों को पुनः नामांकन के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से मिले फीडबैक को नीतिगत सुधार का आधार बनाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे।

पहला चरण: डीबीटी से योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज

पहले चरण में आठ प्रमुख योजनाओं में पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है। निराश्रित महिला पेंशन योजना में 87 प्रतिशत और दिव्यांग पेंशन में 62 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया है।

दूसरा चरण: घर-घर सत्यापन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच

15 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए दूसरे चरण में 16 योजनाओं के अंतर्गत वंचित परिवारों का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है, जिसे 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। पीएम उज्ज्वला योजना, शौचालय सहायता, जल जीवन मिशन और विद्युत कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान पर विशेष जोर है।

दूरसंचार का पावरहाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

अमृत विचार: दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

अमृत विचार

शनिवार, 3 जनवरी 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

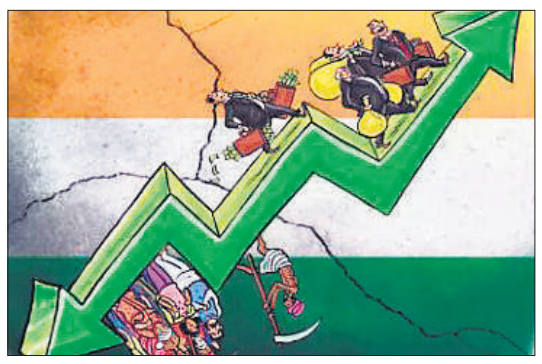

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

> आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आमने

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।
–स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

सामने

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।
–नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

> खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं। कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानुभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बढ़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्बाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन और वैशाली

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 3 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कपड़ा क्षेत्र: पीएलआई योजना के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। वस्त्र मंत्रालय ने बताया कि अगस्त 2025 में आवेदन पोर्टल दोबारा खुलने के बाद मिली प्रतिक्रिया के बाद आवेदन समय में विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्र सहित प्राथमिकता वाले वस्त्र क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आवेदन किए गए हैं। अक्टूबर में सरकार ने वस्त्र क्षेत्र की पीएलआई योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी, जिसे अब इस वर्ष मार्च तक और बढ़ा दिया गया है।

लखनऊ में 200 कमरों वाला होटल बनाएगा मिगसन ग्रुप

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मिगसन ग्रुप ने लखनऊ स्थित अपने मिश्रित उपयोग वाली परियोजना मिगसन जनपथ में 200 कमरों वाले होटल के निर्माण और संचालन के लिए आतिथ्य ब्रांड क्लबहाउस के साथ समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक यह समझौता 28 वर्ष की राजस्व आधारित पट्टा व्यवस्था पर आधारित है। यह होटल मिगसन जनपथ परियोजना के समग्र विकास का हिस्सा होगा, जिसमें पहले से खुदरा दुकानें, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और जीवनशैली संबंधी सुविधाएं शामिल हैं।

रियल एस्टेट में पीई निवेश 2025 में 59% बढ़कर 6.7 अरब डॉलर

कोलकाता। भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश वर्ष 2025 में सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़कर 6.7 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संपत्ति सलाहकार फर्म सेविल्स इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल पीई निवेश का 76 प्रतिशत विदेशी संस्थागत पूंजी से आया जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस वृद्धि में विदेशी निवेशकों की प्रमुख भूमिका रही।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

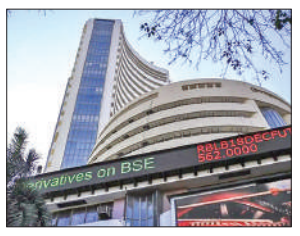

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे। एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं।

जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

दिल्ली: आवारा कुत्तों के मुद्दे पर आप पर अफवाहें फैलाने के आरोप में रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने की शिक्षा निदेशालय की शिकायत के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है।

बल्लारी में झड़प के बाद भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला, समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा, ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। राहुल ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं कफ सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

हिमाचल: सीनियर छात्राओं ने की रैगिंग, प्रोफेसर ने यौन उत्पीड़न

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ी। वह गहरे सदमे में थी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था इसलिए पहले पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 3(5) (सामान्य इरादा) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम 2009 की धारा तीन के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

- मारपीट से घायल छात्रा की अस्पताल में मौत के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी ने लंबे समय से जारी शुष्क मौसम को तो खत्म किया लेकिन इसके साथ ही अफगानिस्तान के कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्य मारे गए। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ सईदी के अनुसार मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि उस क्षेत्र का इस्तेमाल मादक पदार्थ गिरोह, तस्करी के लिए करते है।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई, जिसमें कथित रूप से 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। गांव के पास पलट गया। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है जिनमें से 39 को अस्पताल मं भर्ती किया गया है।

लीबिया में ड्रोन हमले में दो लोगों की गई जान

त्रिपोली। लीबिया की राजधानी त्रिपोली से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित अजयलात शहर में एक गश्ती दल को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी लीबिया के आंतरिक मंत्रालय के सुरक्षा निदेशालय सहायता बल ने गुरुवार को दी। पुलिस ने कहा कि यह हमला गुरुवार तड़के हुआ, जब गश्ती दल अवैध प्रवास की तैयारी कर रही एक नाव की जानकारी पर कार्रवाई कर रहा था।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई , हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई .कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/ फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं जो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6 .5–8 .5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।
- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा

दुबई, एजेंसी

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14 .2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला
- अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी

- श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

- मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15 .32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

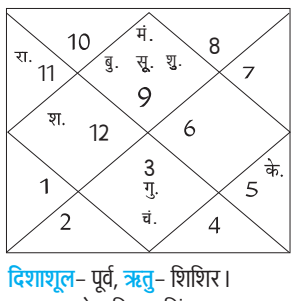

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 17 .27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष — आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन — आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच-विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या — आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु — आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर — आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन — आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन-देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू-21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

मुरादाबाद, शनिवार ,3 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

मैक्कुलम को कोच बने रहने का समर्थन

सिडनी। बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्रैंडन मैक्कुलम के बिना इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के रूप में अपने भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में नाकामी के बावजूद स्टोक्स ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए वह और मैक्कुलम बिलकुल सही लोग हैं। इंग्लैंड ने श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट में ही एशेज गंवा दी जिससे ऑस्ट्रेलिया में जीत का लंबा इंतजार और बढ़ गया। हालांकि 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में मिली जीत ने निराशाजनक अभियान में थोड़ी राहत दी जो जनवरी 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत थी। स्टोक्स और मैकुलम दोनों का अनुबंध 2027 तक है।

पुरुषों की एचआईएल लीग शनिवार से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई श्रृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई श्रृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस श्रृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

बीसीबी का दावा

01, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

09, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच

28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

नीरज और सचिन एआईयू के पूल में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव को इस साल के पहले तीन महीने के लिए विश्व एथलेटिक्स की डोपिंग विरोधी निगरानी संस्था एथलीट्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा इस सूची में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, लेकिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहने वाले यादव को पहली बार इसमें जगह मिली है। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यादव ने विश्व चैंपियनशिप में चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया था जो फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण आठवें स्थान पर रहे थे।

यादव ने 86.27 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए न केवल चोपड़ा को, बल्कि पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी पीछे छोड़ा था। नदीम 10वें स्थान पर रहे थे। उत्तर प्रदेश के इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को भाला फेंक का अगला स्टार माना जा रहा है। आरटीपी अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों का सर्वोच्च स्तर का समूह है। इस सूची में शामिल खिलाड़ियों का परीक्षण बिना किसी पूर्व सूचना के किया जाता है।

इन खिलाड़ियों को अपने घर के पते सहित ठिकाने की जानकारी देनी होती है। इसके साथ ही उन्हें प्रतिदिन 60 मिनट का ऐसा समय भी बताना होता है जिसके दौरान वे परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोदी व योगी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। काशी अब खेल की दुनिया में नया इतिहास रचने को तैयार है। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार जनवरी से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है। काशी के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर की नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भौतिक रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

महिला हॉकी इंडिया लीग

रांची के मरंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में महिला हॉकी इंडिया लीग मैच के दौरान बॉल के लिए संघर्ष करतीं जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ीं। ● एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी | पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

- **51** वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जूड़े रहे भारतीय टीम से
- **10** शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में
- **1997** में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।